देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित

www.page3news.in

नगर संस्करण वर्ष 19 अंक: 201 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार-प्रवाह...
ढ़ह गया किला

पेज थ्री

देहरादून, शनिवार, 16 नवंबर 2024

मौसम अधिकतम 25.0° न्यूनतम 17.0°

79924.77

2 तबाही के मूड में किम जोंग

7 पंत और बुमराह ने लिया पंगा

राम को भगवान आदिवासियों ने बनाया: पीएम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

जमुई। भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर आयोजित जनजातीय गौरव दिवस समारोह में भाग लेने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जमुई पहुंचे। जहां उन्होंने 6600 करोड़ रुपये की परियोजना का शिलान्यास किया। इसके साथ ही उन्होंने 150 रुपये के स्मारक सिक्का का विमोचन भी किया। वहीं इससे पहले उन्होंने पीएम मोदी ने बिरसा मुंडा के परिवार के सदस्य बुधरा मुंडा को सॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

पीएम मोदी ने कहा कि हमें द्रौपदी मुर्मू जी को देश का राष्ट्रपति बनाने का अवसर मिला। पीएम मोदी ने कहा जिसे कोई नहीं पूछने वाला होता है उसे मोदी पूछने का काम करता है। प्रधानमंत्री ने कहा संस्कृति हो या फिर सामाजिक न्याय, आज की एनडीए सरकार का मानक कुछ अलग ही है। धरती आबा बिरसा मुंडा के इस भव्य स्मरण के बीच आज 6 हजार करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ है। इनमें मेरे आदिवासी भाई-बहनों के लिए करीब 1.5 लाख पक्के घरों के स्वीकृति पत्र हैं। आदिवासी बच्चों का भविष्य संवारने वाले स्कूल हैं, हॉस्टल हैं। आदिवासी महिलाओं के लिए स्वास्थ्य सुविधाएं हैं, आदिवासी क्षेत्रों को जोड़ने वाली सैकड़ों किमी की सड़कें शामिल हैं। आज इस योजना का एक साल पूरा हो रहा है। इस दौरान हमने अति पिछड़ी जनजातियों को हजारों पक्के घर दिए हैं। पिछड़ी जनजातियों की बस्तियों को जोड़ने के लिए सैकड़ों किमी की सड़कों पर काम शुरू हो चुका है।

पीएम मोदी ने कहा कि आदिवासी समाज वो है, जिसने राजकुमार राम को भगवान राम बनाया। आदिवासी समाज वो है, जिसने भारत की संस्कृति और आजादी की रक्षा के लिए सैकड़ों वर्षों की लड़ाई को नेतृत्व दिया। हमारी सरकार ने मातृभाषा में परीक्षा के विकल्प दिए। पीएम मोदी ने कहा कि आज देश के हर राज्य में कार्यक्रम हो रहा है। आज कार्तिक पूर्णिमा है। देव दीपावली है। गुरु नानक देव जी का प्रकाश पर्व है। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती है। मैं सभी देशवासियों को और वनवासी भाई-बहनों को बधाई देता हूं।

पीएम मोदी ने किया बिरसा मुंडा की जयंती पर 6640 करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण

बिरसा मुंडा जनजातीय गौरव उपवन बनाए जाएंगे

पीएम मोदी ने कहा कि आदिवासियों इलाके में आयुष्मान आरोग्यम मंदिर बनाए जा रहे हैं। प्रकृति प्रेमी आदिवासी समाज की बातें पूरी दुनिया में बताने की कोशिश करता हूं। आदिवासी समाज प्रकृति, सूर्य और वायु को पूजने वाला समाज है। देश के आदिवासी बाहुल्य जिलों में बिरसा मुंडा जनजातीय गौरव उपवन बनाए जाएंगे। इसमें हजारों पेड़ लगाए जाएंगे।

आदिवासी समाज के इतिहास को मिटाने की कोशिश की गई

पीएम मोदी ने कहा कि आजादी के बाद के दशकों में आदिवासी इतिहास के अनमोल योगदान को मिटाने की कोशिशें की गईं। इसके पीछे भी स्वार्थ भरी राजनीति थी। राजनीति ये थी कि भारत की आजादी के लिए सिर्फ एक ही दल को श्रेय दिया जाए। लेकिन अगर एक ही दल, एक ही परिवार ने आजादी दिलाई है, तो भगवान बिरसा मुंडा का उलगुलान आंदोलन क्यों हुआ था, संथाल क्रांति क्या थी, कोल क्रांति क्या थी? अति पिछड़ी आदिवासी जनजातियों की पहले की सरकारों ने कोई परवाह ही नहीं की थी। इनके जीवन से मुश्किलें कम करने के लिए ही 24 हजार करोड़ रुपये की पीएम जनमन योजना शुरू की गई।

अब हमलोग कहीं नहीं जाएंगे : सीएम नीतीश

सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि मैं फिर से कहता हूं कि हमलोग अब एनडीए में ही रहेंगे। बीच में कुछ कुछ लोग गलत कर दिया था। हमलोग शुरू से ही श्रद्धेय अटल जी के साथ रहे। 1995 से हमलोग साथ रहे हैं। हमलोग इधर-उधर नहीं जाएंगे। पूरे तौर पर पीएम मोदी के साथ रहेंगे। अब हमलोग कहीं नहीं जाएंगे। पीएम मोदी देश में काम कर रहे हैं। जहां पर जाते हैं कुछ न कुछ काम करवा देते हैं। बहुत खुशी की बात है कि आज जमुई में पधारे हैं। मैं पीएम मोदी का अभिनंदन करता हूं। आप सभी लोग भी हाथ उठाकर अभिनंदन करें।

संक्षिप्त समाचार

पीएम मोदी दूसरी फ्लाइट से देवघर से दिल्ली हुए रवाना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी आने के कारण उन्हें देवघर हवाई अड्डे पर कुछ देर के लिए रुकना पड़ा। इस वजह से पीएम मोदी के दिल्ली वापसी में कुछ देरी भी हुई है। डीसी देवघर ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री के विमान में तकनीकी खराबी को ठीक नहीं किया जा सका। इसके बाद पीएम मोदी दो घंटे की देरी के बाद दूसरे विमान से दिल्ली रवाना हुए हैं।

चुनाव आयोग ने की अमित शाह के हेलिकॉप्टर की जांच

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज नई दिल्ली। चुनाव आयोग की ओर से हेलिकॉप्टर और बैग की जांच करने पर उद्धव ठाकरे भड़क गए थे। उन्होंने इसे विपक्ष को तंग करने की साजिश बताया था। इस बीच होम मिनिस्टर अमित शाह के हेलिकॉप्टर की भी शुक्रवार को जांच की गई है। वीडियो शेयर करते हुए अमित शाह ने कहा कि भाजपा निष्पक्ष चुनाव और स्वस्थ चुनाव प्रणाली में विश्वास रखती है।

22 दिसंबर को दो पालियों में होगी यूपीपीएससी पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा

आयोग ने स्थगित की आरओ-एआरओ परीक्षा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने समीक्षा अधिकारी- सहायक समीक्षा अधिकारी (आरओ-एआरओ) प्रारंभिक परीक्षा को स्थगित कर दिया है। नए सिरे से परीक्षा कराने के लिए आयोग के वरिष्ठतम सदस्य कल्पराज सिंह की अध्यक्षता में कमेटी गठित कर दी गई है। कमेटी में आयोग के सदस्य प्रो. राम प्यारे, सेवानिवृत्त आईएएस योगेश कुमार शुक्ल, सेवानिवृत्त पीसीएस प्रेम प्रकाश पाल शामिल किए गए हैं।

आयोग के अनुसचिव ओंकारनाथ सिंह ने बताया कि परीक्षा तीन पालियों में 22 और 23 दिसंबर को आयोजित होने वाली थी उसे स्थगित कर दिया गया है। समिति की रिपोर्ट आने के बाद नई तिथि पर परीक्षा कराने की घोषणा की जाएगी।

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने प्रतियोगी छात्रों की मांगों को ध्यान में रखते हुए पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा 2024 की तिथि को बदलते हुए नई तिथि 22 दिसंबर घोषित की है। यह फैसला मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा प्रतियोगी छात्रों की मांग को ध्यान में रखते हुए की गई पहल के बाद लिया गया है। इस संशोधन के बाद पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा 22 दिसंबर को सुबह 9:30 बजे से 11:30 बजे और दोपहर 2:30 बजे से 4:30 बजे तक दो पालियों में आयोजित की जाएगी। इस निर्णय से प्रतियोगी छात्रों को अब एक ही दिन में परीक्षा देनी होगी, जिससे उनके यात्रा और समय की समस्या को हल किया जा सकेगा।

10 लाख से अधिक उम्मीदवार देंगे परीक्षा

यूपीपीएससी की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी ताजा नोटिस में लिखा है, सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा 2024 जो दो दिवसों में दिनांक 7 व 8 दिसंबर 2024 को होनी थी, उसे अब एक दिवस में दिनांक 22 दिसंबर 2024 को दो सत्रों में आयोजित किया जाएगा। पहली पाली सुबह 9:30 बजे से 11:30 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 2:30 बजे से शाम 4:30 बजे तक आयोजित की जाएगी। इस परीक्षा में 10 लाख से अधिक (10,76,004) अभ्यर्थियों के बैठने की उम्मीद है।

पीओके में ट्रॉफी को घूमाना चाहता था पाकिस्तान, झटका

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी अगले साल पाकिस्तान में होने वाली है। हालांकि भारतीय टीम ने पाकिस्तान का दौरा करने से इनकार कर दिया है, ऐसे में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के लिए मुश्किलें बढ़ने वाली हैं और पाकिस्तानी फैंस को भारतीय स्टार क्रिकेटर्स को अपनी सरजमीं पर देखने का सपना अधूरा ही रह जाएगा। इस बीच आईसीसी ने गुरुवार को चैंपियंस ट्रॉफी पाकिस्तान भेज दी, जिसके बाद ट्रॉफी 16 नवंबर से पाकिस्तान के अलग-अलग स्थानों पर जाएगी। हालांकि पाकिस्तान की उम्मीदों को करारा झटका लगा है, क्योंकि आईसीसी ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में होने वाले 2025 आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के दौरे को रद्द कर दिया है।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने ट्रॉफी को स्कार्दू, मुर्री और मुजफ्फराबाद में ले जाने का ऐलान किया था। जिसमें पाकिस्तान ने इन शहरों को भी ट्रॉफी के दौरे के कार्यक्रम में शामिल किया था। जिस पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने तत्काल आपत्ति जताई।

झटका

■आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के नियोजित ट्रॉफी दौरे को किया रद्द

आईसीसी ने बीसीसीआई से लिखित स्पष्टीकरण देने कहा

आईसीसी ने आधिकारिक रूप से बीसीसीआई से चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान की यात्रा नहीं करने को लेकर लिखित स्पष्टीकरण देने कहा है। बीसीसीआई ने क्रिकेट की वैश्विक संस्था को मौखिक रूप से अगले साल होने वाले इस टूर्नामेंट के लिए अपनी टीम नहीं भेजने के फैसले के बारे में अवगत कराया था। पीसीबी ने आईसीसी से अपील की है कि वह भारत के जवाब की कॉपी उसे भी मुहैया कराए।

पीएम ने संविधान पढ़ा होता तो नफरत नहीं फैलाते

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

■ गोड्डा में राहुल गांधी ने की रैली, बीजेपी पर लगाया आरोप

झारखण्ड। झारखंड में पहले चरण के मतदान के बाद कांग्रेस दूसरे चरण दूसरे चरण के प्रचार में लग गई। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को गोड्डा में रैली की। उन्होंने इस रैली को संबोधित करते हुए भाजपा पर संविधान को कूड़ेदान में डालने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर उन्होंने संविधान पढ़ा होता तो नफरत नहीं फैलाते।

इसके साथ ही कांग्रेस नेता ने भाजपा पर मुंबई में धारावी की जमीन को उद्योगपति गौतम अदाणी को देने का भी आरोप लगाया। उद्योगपतियों की मदद से ही महाराष्ट्र में कांग्रेस की सरकार को उखाड़ फेंका गया।

रैली को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा, भाजपा संविधान को कूड़ेदान में डालने की कोशिश कर रही है। हम संविधान की रक्षा कर रहे हैं। अगर प्रधानमंत्री मोदी ने संविधान पढ़ा होता तो उन्होंने नफरत नहीं फैलाई होती और समाज को नहीं बांटा होता। उन्होंने आगे कहा, हमारी मोहब्बत की दुकान है, उनका नफरत का बाजार है।

न्यूज डायरी

लाइव टीवी पर किया था शख्स पर कुल्हाड़ी से हमला, ट्रंप ने उसे चुना रक्षा मंत्री

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। अमेरिका में चुनाव में जीत के बाद ट्रंप के आगामी मंत्रिमंडल को लेकर एक के बाद एक खबरें आनी शुरू हो गई हैं। हाल ही में पूर्व सैनिक और टीवी कलाकार पीट हेगसेथ को अपनी नई सरकार में रक्षा सचिव (मंत्री) के पद पर तैनात कर दिया है। वहीं अब पीट हेगसेथ को लेकर एक विवादित खबर सामने आई है, पीट हेगसेथ ने एक बार लाइव टीवी पर एक व्यक्ति को कुल्हाड़ी से मारा था। इस घटना से संबंधित क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हेगसेथ का लाइव टीवी पर एक ड्रमर को कुल्हाड़ी से मारते हुए वीडियो वायरल हो रहा है। यह घटना 2015 में फॉक्स एंड फ्रेंड्स सेगमेंट के दौरान हुई थी। उनके हमले ने व्यक्ति को श्लगभग मार डालाश था और हालांकि यह अभी भी ज्ञात नहीं है कि ड्रमर की तरफ से हेगसेथ के खिलाफ मुकदमा दायर करने के बाद क्या हुआ, यह अमेरिकी राजनीतिक परिदृश्य में बड़े पैमाने पर अराजकता और भ्रम पैदा करने और ट्रम्प पीट हेगसेथ के खिलाफदर्ज हुआ था मुकदमा। हालांकि इनमें महत्वपूर्ण बात यह थी कि ढोल बजाने वाला ठीक था और उसके साथ कोई घातक दुर्घटना नहीं हुई, लेकिन फिर भी उसने हेगसेथ पर मुकदमा दायर किया। इसके तुरंत बाद मामले को दबा दिया गया और घटना के बाद क्या हुआ इसकी अभी भी कोई जानकारी नहीं है। वीडियो को एक्स और फेसबुक यूजर्स की तरफ से हजारों बार ट्वीट और रीपोस्ट किया गया है और आने वाले दिनों में ट्रम्प की मुश्किलें बढ़ सकती।

अपना घर नहीं संभला तो भारत पर भड़का पाकिस्तान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान से अपना घर संभल नहीं रहा, जिसके लिए वह भारत पर भड़का हुआ है। दरअसल पाकिस्तान ने पिछले कुछ दशकों तक आतंकवाद को पाला। अब यही आतंकी उसके खिलाफ भी हमले कर रहे हैं। पाकिस्तान इन हमलों के पीछे भारत के कथित समर्थन का आरोप लगा रहा है। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलूच ने गुरुवार को एक साप्ताहिक ब्रीफिंग में कहा कि आतंकी समूहों को भारत से समर्थन मिलता है। अपने बेबुनियाद आरोपों का समर्थन करने के लिए बलूच ने कुलभूषण जाधव की गिरफ्तारी का जिक्र किया। 2016 में पाकिस्तान ने जाधव को ₹ एजेंट बताकर गिरफ्तार किया था। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ऐसी गतिविधियां सच्ची बातें हैं और इससे क्षेत्रीय सुरक्षा को खतरा बना हुआ है। भारत के अलावा पाकिस्तान अफगानिस्तान के खिलाफ भी भड़का हुआ है। उसने अफगानिस्तान से आतंकी संगठनों के खिलाफ सख्त कदम उठाने को कहा है। बलूच ने कहा, अफगानिस्तान को अपनी जमीन का इस्तेमाल पाकिस्तान या किसी अन्य पड़ोसी के खिलाफ आतंक फैलाने के लिए नहीं होने देना चाहिए।श उन्होंने अफगानिस्तान से पाकिस्तान के बार–बार किए गए अनुरोधों को गंभीरता से लेने का आग्रह किया और पाकिस्तानी लोगों के धैर्य की परीक्षा लेने को लेकर चेतावनी दी।

हिजबुल्लाह ने लिया इजरायल से हमले का बदला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) यरुशलम। इजरायल और लेबनान के बीच युद्द खत्म होने का नाम ही नहीं ले रहा है। हिजबुल्लाह ने दावा किया कि अब उसने तेल अवीव में तेल हैम सैन्य अड्डे को निशाना बनाया, जो लेबनान सीमा से लगभग 120 किलोमीटर दूर स्थित है। अल जजीरा की रिपोर्ट में ये जानकारी सामने आई है। हिजबुल्लाह ने कहा कि उसने बेस को निशाना बनाने के लिए कई मिसाइलों का इस्तेमाल किया। इसको लेकर हिजबुल्लाह का कहना है कि मिसाइलें इजरायली सेना के सैन्य खुफिया प्रभाग की है। साथ ही इजरायली सेना अभी इसको लेकर कोई टिप्पणी नहीं की है। आज हुए 30 से अधिक हमलों में से कुछ में, हिजबुल्लाह ने कहा कि उसने लेबनान के साथ सीमा के पास किर्यत शमोना बस्ती और अन्य समुदायों की ओर रॉकेट दागे। इससे पहले, लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा था कि एक इजरायली हवाई हमले ने बालबेक–हर्मेल गवर्नरेट में बालबेक शहर के आसपास के नागरिक सुरक्षा केंद्र को निशाना बनाया। इसमें कहा गया है कि हमला तब हुआ जब 20 सदस्य अंदर थे। अल जजीरा के अनुसार, बाल्बेक–हर्मेल गवर्नर ने एक्स पर हमले को लेकर पोस्ट भी किया।

श्रीलंका के संसदीय चुनाव में राष्ट्रपति ने किया कमाल

रिपोर्ट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

राष्ट्रपति दिसानायके की पार्टी सदन में बहुमत से ज्यादा सीटें जीती

कोलंबो। श्रीलंका के निर्वाचन आयोग की ओर से घोषित आधिकारिक चुनाव परिणामों के अनुसार, राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके की पार्टी 'नेशनल पीपुल्स पावर' ने संसद में बहुमत हासिल कर लिया। श्रीलंका के निर्वाचन आयोग की वेबसाइट की ओर से पूर्वाह्न 11 बजे तक जारी आंकड़ों के अनुसार, मलीमावा (कम्पास) चिह्न के तहत चुनाव लड़ने वाली एनपीपी ने 123 सीट जीती जबकि 171 सीटों पर परिणाम की घोषणा हो चुकी है।

कुल 196 सीटों में से 25 सीटों के परिणाम घोषित होने बाकी हैं। राष्ट्रीय स्तर पर हुए कुल मतदान के आधार पर सभी दलों को अन्य 29 सीटें मिलने की उम्मीद है। एनपीपी को 68 लाख या 61 प्रतिशत मत प्राप्त हुए हैं, जिससे वह अपने प्रतिद्वंद्वियों पर बढ़त बनाए हुए है। पार्टी दो तिहाई बहुमत प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ रही है, क्योंकि उसे 29 सीटों में से अधिक सीटें मिलने की उम्मीद है जिससे पार्टी 225 सदस्यीय सदन में 150 सीटों के साथ पूर्ण बहुमत हासिल कर लेगी।

तमिल अल्पसंख्यकों की सांस्कृतिक राजधानी उत्तरी जाफना जिले में एनपीपी (देश के दक्षिणी हिस्से में प्रमुख सिंहली बहुसंख्यक पार्टी) ने पारंपरिक तमिल राष्ट्रवादी पार्टियों पर पूरे जिले में विजय प्राप्त की। एनपीपी ने जाफना प्रांत में छह में से तीन सीटें जीतीं, जिससे वहां वर्चस्व रखने वाली पारंपरिक तमिल पार्टियों को झटका लगा। इससे पहले कभी सिंहली बहुल कोई पार्टी जाफना में नहीं जीती है। पुरानी यूनाइटेड नेशनल पार्टी (यूएनपी) ने पहले जाफना में एक सीट जीती थी। एनपीपी ने जाफना जिले में 80,000 से अधिक मतों से जीत हासिल की और बृहस्पतिवार को हुए मतदान की अंतिम गणना में पुरानी तमिल पार्टी 63,000 से कुछ अधिक मतों से पीछे रह गई।

यह राष्ट्रपति दिसानायके की चुनाव–पूर्व टिप्पणियों के अनुरूप है, जिन्होंने कहा था कि उनकी पार्टी को सभी समुदायों द्वारा एक सच्ची राष्ट्रीय पार्टी के रूप में स्वीकार किया जा रहा है। एनपीपी नेता दिसानायके ने कहा, 'एक समुदाय को दूसरे के खिलाफ खड़ा करने और विभाजित करने का युग समाप्त हो गया है, क्योंकि लोग एनपीपी को अपना रहे हैं।'

एनपीपी ने अपने मूल जनता विमुक्ति पेरामुना (जेवीपी) के तहत सत्ता साझा करने के किसी भी प्रयास का जबरदस्त विरोध किया था जो कि एलटीटीई के सशस्त्र अलगाववादी अभियान के दौरान तमिलों की एक प्रमुख मांग थी। तमिलों ने उन्हें केवल सिंहली बहुसंख्यक नस्लवादी के रूप में देखा। यह चुनाव तय समय से एक साल पहले हुआ, क्योंकि दिसानायके ने सितंबर में राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार संभालने के तुरंत बाद संसद को बर्खास्त कर दिया था। नयी संसद का सत्र अगले सप्ताह शुरू होने वाला है।

बांग्लादेश के संविधान से सेक्युलरिज्म धर्मनिरपेक्ष शब्द हटाने का प्रस्ताव

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज ढाका। हिंसक छात्र आंदोलन के चलते गत पांच अगस्त को शेख हसीना की सरकार के पतन के बाद बांग्लादेश अब इस्लामिक देश बनने की राह पर बढ़ता दिख रहा है। देश के अटॉर्नी जनरल मोहम्मद असदुज्जमां ने इसके लिए पैरवी की है।

उन्होंने संविधान में बड़े बदलाव करने और धर्मनिरपेक्ष समेत कई प्रमुख शब्दों को हटाने का सुझाव दिया है। उन्होंने कहा कि समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता उस देश की वास्तविक तस्वीर पेश नहीं करते, जहां 90 प्रतिशत आबादी मुस्लिम है। यूनाइटेड न्यूज आफ बांग्लादेश की खबर के अनुसार, असदुज्जमां ने समाजवाद, बंगाली राष्ट्रवाद, धर्मनिरपेक्ष और बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान को राष्ट्रपिता की उपाधि देने जैसे प्रविधानों को हटाने का सुझाव दिया है। उन्होंने हाई कोर्ट में बांग्लादेश के 15वें संविधान संशोधन की वैधता पर चल रही सुनवाई के पांचवें दिन इस तरह की पैरवी की। जिसमें अल्लाह पर अटूट विश्वास पर जोर दिया गया था। उन्होंने अनुच्छेद नौ में बंगाली राष्ट्रवाद की प्रासंगिकता पर भी सवाल उठाया और इसे आधुनिक लोकतांत्रित सिद्धांतों के साथ असंगत करार दिया। असदुज्जमां ने यह दलील दी कि ये बदलाव देश को लोकतांत्रिक और ऐतिहासिक चरित्र के अनुरूप बना देंगे।

पहले फाड़ा बिल, फिर संसद में करने लगीं हाका डांस

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। न्यूजीलैंड की संसद में जमकर बवाल हुआ, जहां एक अनूठा विरोध प्रदर्शन देखने को मिला। यहां संसद की सबसे युवा सांसद हाना–रावहिती ने एक बिल का ऐसा विरोध किया की उनकी वीडियो अब जमकर वायरल हो रही है। दरअसल, सांसद हाना ने जोशीले माओरी हाका डांस कर एक बिल का विरोध किया। ये विधेयक ब्रिटेन और माओरी के बीच की एक संधि से जुड़ा है। जब सांसद संधि सिद्धांत विधेयक पर मतदान करने के लिए 14 नवंबर को एकत्र हुए, तो 22 वर्षीय माओरी सांसद ने पारंपरिक माओरी हाका डांस करते हुए विधेयक की एक कॉपी फाड़ दी। सदन के अन्य सदस्य और गैलरी में बैठे दर्शक हाना–रावहिती करियारीकी मैपी–क्लार्क के साथ हाका डांस करने लगे, जिसके कारण स्पीकर गेरी ब्राउनली ने सदन के सत्र को कुछ समय के लिए स्थगित कर दिया।

तबाही के मूड में किम जोंग खतरनाक ड्रोन बनाने के दिए आदेश

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

■उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया पर लगाया था आरोप

सियोल। उत्तर कोरिया अब आत्मघाती हमला करने वाले ड्रोनों का निर्माण करने जा रहा है। उत्तर कोरिया ने लक्ष्यों पर सटीक प्रहार करने के मकसद से डिजाइन किए गए विस्फोटक ड्रोन का टेस्ट किया है। समाचार एजेंसी ने शुक्रवार को उत्तर की राज्य मीडिया की रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग–उन ने आत्मघाती हमलावर ड्रोन के प्रदर्शन परीक्षण का टेस्ट किया। जल्द ही बड़े पैमाने पर बड़े पैमाने पर उत्पादन की आवश्यकता पर जोर दिया। केसीएनए का हवाला देते हुए उत्तर कोरिया ने बताया कि आत्मघाती हमलावर ड्रोन का इस्तेमाल अलग–अलग स्ट्राइकिंग रेंज में किया जाएगा, ताकि जमीन और समुद्र में दुश्मन के किसी भी लक्ष्य पर सटीक हमला किया जा सके। इसके चित्रों में ऐसा प्रतीत हो रहा था कि ड्रोन से बीएमडब्ल्यू सेडान और टैंकों के पुराने मॉडल को निशाना बनाया गया। किम ने हथियार विकसित करने की प्रक्रिया पर संतोष व्यक्त किया और जल्द से जल्द एक श्रृंखला उत्पादन प्रणाली बनाने और बड़े पैमाने पर उत्पादन करने की आवश्यकता पर बल दिया।

किम ने बताया कि कैसे ड्रोन आधुनिक युद्ध में महत्वपूर्ण होते जा रहे हैं। केसीएनए ने किम के शब्दों को दोहराते हुए कहा कि कई सैन्य गतिविधियों के लिए ड्रोन कम लागत पर बनाना आसान है। उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया पर पिछले महीने उत्तर कोरिया विरोधी पर्चे गिराने के लिए अपने ड्रोन भेजने का आरोप लगाया था और धमकी दी थी कि अगर दोबारा ऐसा किया गया तो वह बलपूर्वक जवाब देगा। दक्षिण कोरिया की सेना ने इस बात की पुष्टि करने से इनकार कर दिया है कि उत्तर कोरिया के ये दावे सही हैं या नहीं।

कोरिया की वर्कर्स पार्टी ने हाल ही में परिचालन योजनाओं के साथ मानव रहित सैन्य हार्डवेयर प्रणालियों को पूरी तरह से संयोजित करने की लाइन को महत्व दिया है, किम ने कहा, जितनी जल्दी हो सके एक धारावाहिक उत्पादन प्रणाली की आवश्यकता को रेखांकित किया।

तुर्की का काल खरीदेगा भारत का दोस्त

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) एथेंस। मुस्लिम देशों का खलीफा बनने का सपना देख रहे तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगान लगातार अपने पड़ोसी देश ग्रीस को डराने में जुटे हुए हैं। तुर्की तेजी से अपनी ड्रोन सेना तैयार कर रहा है और इस खतरे को देखते हुए ग्रीस ने भी कमर कस ली है। नाटो देश ग्रीस तुर्की के खिलाफ अपने डिफेंस को मजबूत करने के लिए इजरायल से 2 अरब यूरो में आयरन डोम जैसा सिस्ट्म खरीदने जा रहा है। तुर्की और ग्रीस के बीच में दशकों से दुश्मनी रही है और हाल के दिनों में दोनों के बीच रिश्ष्तों को सुधारने की कोशिश हुई है लेकिन एथेंस को खलीफा एर्दोगान के ऊपर भरोसा नहीं हो रहा है। इसी वजह से ग्रीस ने इजरायल के साथ एंटी एयरक्राफ्ट और मिसाइल डिफेंस सिस्टम के लिए बातचीत शुरू की है।

Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

बदरीनाथ में वेद ऋचाओं का वाचन हो गया बंद, दो दिन गुप्तमंत्रों से होगी पूजाएं

आस्था

धाम के कपाट 17 नवंबर को बंद होंगे

संवाददाता

चमोली। बदरीनाथ धाम के कपाट बंद होने की प्रक्रियाओं के तहत शुक्रवार को वेद ऋचाओं का वाचन बंद हो गया है। अब दो दिनों तक गुप्तमंत्रों से ही बदरीनाथ की पूजाएं संपन्न होंगी। बदरीनाथ धाम के कपाट 17 नवंबर को रात 9 बजकर 7 मिनट पर शीतकाल के लिए बंद कर दिए जाएंगे। 13 नवंबर से धाम के कपाट बंद होने की प्रक्रियाएं शुरू हो गई थीं।

पहले दिन बदरीनाथ मंदिर परिसर में स्थित गणेश मंदिर के कपाट बंद हुए। इसके बाद दूसरे दिन आदि केदारेश्वर और आदि गुरु शंकराचार्य मंदिर के कपाट विधि–विधान से बंद हुए। शुक्रवार को तीसरे दिन धाम में वेद ऋचाओं का वाचन शीतकाल के लिए बंद कर दिया गया।

पंचपूजा के तीसरे दिन प्रातरूकाल रावल (मुख्य पुजारी) अमरनाथ नंबूदरी और बीकेटीसी के मुख्य कार्याधिकारी विजय प्रसाद थपलियाल की मौजूदगी में धर्माधिकारी

राधाकृष्ण थपलियाल, वेदपाठी रविंद्र भट्ट तथा अमित बंदोलिया ने वेद उपनिषद को बदरीनाथ मंदिर गर्भगृह में रावल के सुपुर्द किया। जबकि धार्मिक पुस्तकों को मंदिर गर्भगृह से धर्माधिकारी वेदपाठियों के हवाले कर दिया गया। दो दिनों तक गुप्तमंत्रों से बदरीनाथ की अभिषेक पूजा व अन्य सामान्य पूजाएं संचालित होंगी।

बदरीनाथ। कार्तिक पूर्णिमा के मौके पर शुक्रवार को बदरीनाथ धाम में श्रद्धालुओं ने अलकनंदा और तप्तकुंड में पवित्र स्नान किया। इसके बाद बदरीनाथ धाम के दर्शन किए। प्रातरूकाल से ही तप्तकुंड में स्नान करने के लिए श्रद्धालुओं का हुजूम उमड़ा रहा।

बीकेटीसी के मीडिया प्रभारी डॉ. हरीश गौड़ ने बताया कि प्रतिवर्ष कार्तिक पूर्णिमा पर बदरीनाथ धाम में श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ जाती है। शुक्रवार को तप्तकुंड से गांधी घाट तक श्रद्धालुओं की भारी संख्या में भीड़ उमड़ पड़ी।

कार्तिक पूर्णिमा स्नान को हर की पैड़ी पर श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

हरिद्वार। कार्तिक पूर्णिमा स्नान के लिए शुक्रवार को हर की पैड़ी पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। सुबह से ही मां गंगा को नमन कर श्रद्धालुओं आस्था की डुबकी लगा रहे हैं। कार्तिक पूर्णिमा स्नान पर्व के लिए पुलिस ने यातायात प्लान जारी किया है। बाहर से आने वाले वाहनों के लिए रूट डायवर्जन प्लान लागू करते हुए पार्किंग स्थल तय कर दिए गए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने प्लान का सख्ती से पालन कराते हुए यातायात व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए हैं।

न्यूज डायरी

शहरों में भी बाहरी लोगों के जमीन खरीदने पर लगे प्रतिबंध

संवाददाता देहरादून। भू कानून अभियान से जुड़े प्रतनिधियों ने शुक्रवार को मुख्य सचिव राधा रतूड़ी से सचिवालय में मुलाकात की। ज्ञापन सौंप कर उत्तराखंड के शहरों में भी बाहरी लोगों के जमीन खरीदने पर प्रतिबंध लगाने की मांग की। कहा कि 2018 के भू कानून संशोधन को भी सरकार तत्काल समाप्त करे। पदाधिकारियों ने मौजूदा भू कानून के उल्लंघन को लेकर जिलों में हो रही ताबड़तोड़ कार्रवाई पर सीएम पुष्कर सिंह धामी का आभार जताया। भू कानून अभियान के संयोजक शंकर सागर ने कहा कि अब समय आ गया है, जब सरकार शहरों में भी राज्य से बाहर के लोगों के जमीन खरीदने पर प्रतिबंध लगाए। इसके लिए मौजूदा भू कानून के प्रावधानों में जरूरी संशोधन कर भू कानून को और अधिक सख्त बनाया जाए। उत्तराखंड की जमीनों की खुली छूट देने वाले 2018 के संशोधन को भी तत्काल समाप्त किया जाए। कहा कि उत्तराखंड में राज्य से बाहर के लोगों के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में सिर्फ 250 वर्ग मीटर जमीन ही खरीदने का नियम है।

जीजीआईसी महाविद्यालय पंतनगर में एकीकृत विज्ञान प्रयोगशाला का उद्घाटन

संवाददाता पंतनगर। एक शानदार समारोह में, हिंदुस्तान जिंक प्राइवेट लिमिटेड ने सोसायटी फॉर ऑल राउंड डेवलपमेंट (एसएआरडी) के सहयोग से, उत्तराखंड के पंतनगर स्थित राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, जीजीआईसी में एकीकृत विज्ञान प्रयोगशाला स्थापित की। यह केंद्र उधम सिंह नगर में अपनी तरह का पहला केंद्र होगा जिसमें 11 ब्लॉक, 25 विद्यालय, 20 हजार से अधिक छात्र और 600 से अधिक शिक्षक इस पहल के माध्यम से लाभान्वित होगें। इस अत्याधुनिक सुविधा का उद्देश्य शैक्षिक संसाधनों को बढ़ाना और वैज्ञानिक शिक्षा को बढ़ावा देना है।

ओलम्पिक में 25 भारतीय पदक विजेताओं को एमजी विंडसर के साथ किया सम्मानित

संवाददाता देहरादून। ओलंपिक 2024 में भारतीय दल ने एक सम्मानजनक उपलब्धि हासिल करने में अदम्य साहस दिखाया और भविष्य के महत्वाकांक्षी एथलीटों के लिए मार्ग प्रशस्त किया है। उनकी इस कड़ी मेहनत और सदैव उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के प्रयासों का सम्मान करने के लिए, जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने इन स्पोर्ट स्टार्स को नई एमजी विंडसर, जो भारत की पहली इंटेलिजेंट सीयूवी है, और जिसने भारतीय पैसेंजर इलेक्ट्रिक कार बाजार में एक बड़ी हलचल मचाई है, देकर सम्मानित किया है। भारत के ओलम्पिक पदक विजेताओं ने भाला फेंक, पिस्टल और राइफल शूटिंग, कुश्ती और हॉकी जैसे विभिन्न खेल आयोजनों में भाग लिया और पदक जीते।

प्रमोशन न होने के खिलाफ आंदोलन तेज करेंगे पॉवर जूनियर इंजीनियर

संवाददाता देहरादून। उत्तराखंड पावर जूनियर इंजीनियर एसोसिएशन ने जूनियर इंजीनियर संवर्ग की 13 सूत्रीय मांगों के निस्तारण को आंदोलन का ऐलान कर दिया है। शनिवार से ऊर्जा निगम मुख्यालय पर सत्याग्रह शुरू किया जाएगा। एसोसिएशन अधिशासी अभियंता के खाली पदों पर प्रमोशन लटकाने से नाराज है।

एसोसिएशन के केंद्रीय अध्यक्ष आनंद सिंह रावत ने शुक्रवार को प्रेस नोट जारी कहा कि यूपीसीएल में सहायक अभियंताओं की वरिष्ठता सूची जारी नहीं की जा रही है। इससे अधिशासी अभियंता के खाली पदों पर प्रमोशन नहीं हो पा रहे हैं। जबकि हाईकोर्ट प्रमोशन को लेकर स्पष्ट आदेश जारी कर चुका है। यूपीसीएल मैनेजमेंट पहले कोर्ट में केस लंबित होने का हवाला देकर प्रमोशन रोके हुए था। अब अंतिम निर्णय आने के बाद क्लेरिफिकेशन के नाम पर अनावश्यक रूप से मामले को लटकाया जा रहा है। ऐसा कर जूनियर इंजीनियर संवर्ग के साथ भेदभाव किया जा रहा है। इसे लेकर एसोसिएशन के सदस्यों में भारी रोष है।

महासचिव पवन रावत ने कहा कि नए जूनियर इंजीनियरों को बिजली टैरिफ की सुविधा नहीं दी जा रही है। इसके साथ ही 30 सितंबर 2005 तक सेवा में आए जूनियर इंजीनियरों को जीपीएफ का लाभ नहीं दिया जा रहा है। कहा कि इन तमाम मांगों को लेकर अधिशासी निदेशक मानव संसाधन आरजे मलिक की अध्यक्षता में वार्ता हो चुकी है। इस वार्ता में कोई समाधान नहीं निकल पाया है।

गुरु नानक देव जी ने दिया स्नेह, संयम व सदाचार का संदेश : मदन कौशिक

संवाददाता हरिद्वार। गुरु नानक देव जी की 555वीं जयन्ती तीर्थनगरी हरिद्वार में उल्लासपूर्वक आयोजित की गयी। इस अवसर पर गुरूद्वारों पर रोशनी की गयी साथ ही कार्तिक पूर्णिमा गुरु पर्व के अवसर पर श्री गुरूद्वारा गुरूसिंह सभा व सेक्टर–2 गुरूद्वारे में समारोह का आयोजन किया गया जिसमें गुरु ग्रंथ साहिब का पाठ व लंगर प्रसाद का वितरण किया गया। समारोह को सम्बोधित करते हुए पूर्व मंत्री नगर विधायक मदन कौशिक ने कहा कि गुरु नानक देव जी ने समाज को स्नेह, संयम, समन्वय व सदाचार का संदेश दिया। गुरु नानक देव जी ने अपने तीर्थ यात्राओं के माध्यम से धार्मिक और आध्यात्मिक ज्ञान को जन–जन तक पहुंचाने के साथ–साथ उन्होंने लोगों को धर्म के प्रति जागरूक और गलत रीति–रिवाजों, कुरीतियों को खत्म करने की प्रेरणा दी। साथ ही उन्होंने समाज के कमजोर वर्ग के प्रति उदारता का भाव भी जागृत करने का कार्य किया। उन्होंने मानव सेवा को ही सच्ची ईश्वर सेवा बताया।

सचिवालय कर्मचारियों के लिए पुलिस सुरक्षा की मांग

संवाददाता

- मुख्यमंत्री ने सचिवालय संघ की मांगों पर जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया
- आम जनता के लिए हमेशा खुला सचिवालय

देहरादून। उत्तराखंड सचिवालय संघ ने शुक्रवार को सीएम आवास में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात कर मांग पत्र सौंपा। सचिवालय में जिन कर्मचारियों के साथ मारपीट की गई, उन्हें पुलिस सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की गई।

सचिवालय संघ अध्यक्ष सुनील लखेड़ा ने कहा कि सचिवालय में जिस तरह बाहर के आदमी ने आकर कर्मचारियों के साथ मारपीट की है, ऐसी घटनाओं की पुनरावृति न हो। इसके लिए कड़े प्रावधान किए जाएं। कहा कि मारपीट को लेकर जिन दो कर्मचारियों ने एफआईआर दर्ज कराई है, उन्हें पुलिस सुरक्षा दी जाए।

महासचिव राकेश जोशी ने कहा कि सचिवालय के भीतर की व्यवस्थाओं में सुधार किया जाए। कर्मचारियों के लिए पर्याप्त बैठने का इंतजाम किया जाए। नए भवन का निर्माण किया जाए। मुख्यमंत्री ने सचिवालय संघ की मांगों पर जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया। प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री आरके सुधांशु को मांगों पर कार्रवाई के निर्देश दिए। सीएम को ज्ञापन सौंपने वालों में उपाध्यक्ष जीतमणि पैन्यूली, करम राम, अनिल उनियाल, रमेश जोशी, पुष्कर सिंह, नृपेंद्र त्रिपाठी, गौरव सेमवाल मौजूद रहे।

सचिवालय संघ ने कहा कि उत्तराखंड राज्य यहां के लोगों के बलिदानों से बना है। ऐसे में ये सचिवालय यहां की आम जनता का है। इस सचिवालय में आम जनता को आने से कोई नहीं रोक सकता, क्योंकि ये सचिवालय उन्हीं के लिए बना है। जनता की उचित मांगों के समाधान को सचिवालय के द्वार हमेशा आम जनता के लिए खुले थे और हमेशा खुले रहेंगे।

सभी मतदान केंद्रों में सभी व्यवस्था चाक–चौबंद कर लें

संवाददाता रुद्रप्रयाग। 07–केदारनाथ विधान सभा उप निर्वाचन 2024 को निष्पक्ष, स्वतंत्र एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपादित कराने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी सौरभ गहरवार की अध्यक्षता में जिला कार्यालय सभागार में बैठक आयोजित कर निर्वाचन में जो भी व्यवस्थाएं एवं तैयारियां की जानी हैं उसको निर्वाचन आयोग के दिशा–निर्देशानुसार ही समय से पूर्ण कर ली जाए। उन्होंने सभी कहा कि केदारनाथ विधान सभा के सभी मतदान केंद्रों में किसी भी प्रकार की कोई कमी न रहने पाए। इसके लिए सभी अधिकारी जो भी कोई कार्य किया जाना है उसे तत्परता से कर लें ताकि निर्वाचन प्रक्रिया को सुव्यवस्थित ढंग से संपादित किया जा सके। सभी सेक्टर अधिकारी अपनी अपनी पोलिंग पार्टियों से आपसी समन्वय निरंतर स्थापित रखें।

अच्छे कर्म करने का अगर करो वादा, तो शनि देव किसी काम में नहीं डालेंगे बाधा। -अज्ञात

विचार-प्रवाह

देहरादून, शनिवार, 16 नवंबर 2024

पेज थ्री

www.page3news.in

ढह गया किला

टीम इंडिया कंडिशन समझने में विफल रही। तीन टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मैच बेंगलुरु में हुआ था। उस मैच में बादल भरे आसमान के नीचे पहले बैटिंग करने का भारतीय टीम का फैसला गलत साबित हुआ और वहां से मोमेंटम पूरी सीरीज के लिए न्यूजीलैंड के पक्ष में चला गया।

अनुज श्रीवास्तव।।

न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में टीम इंडिया को मिली हार ऐसा सदमा है, जिससे उबरने में क्रिकेट फैंस को लंबा वक्त लगेगा। खेल में किसी प्रतिद्वंद्वी को कमजोर नहीं समझा जा सकता, लेकिन तीन मैचों की सीरीज में सारे मैच हारना वाकई अप्रत्याशित है। अब अहम सवाल है कि टीम इस हार से उबरेगी कैसे?

अपने घर में 12 बरसों तक अजेय बने रहना छोटी बात नहीं है। लगातार 18 घरेलू सीरीज जीतना ऐसा रेकॉर्ड है, जिसे ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज जैसी टीमें अपने शिखर पर रहते हुए भी हासिल नहीं कर पाई थीं। इसी रेकॉर्ड ने टेस्ट क्रिकेट में भारत को 'द लास्ट फ्रंटियर' का रुतबा दिया। जाहिर है, जीत का सिलसिला कहीं तो थमना था। क्लाइव लॉयड और स्टीव वॉ जैसे कप्तान भी हारे हैं, लेकिन यह हार इसलिए चुभ रही है, क्योंकि भारतीय टीम अपने ही घर में और अपने ही हथियार, स्पिन बोलिंग से धराशायी हो गई।

भारत के स्पिनर्स उस तरह प्रभावी नहीं हो सके, जैसे न्यूजीलैंड के। इक्का–दुक्का को छोड़कर हमारे बैटर्स भी नाकाम रहे। कहा जा रहा है कि टीम इंडिया कंडिशन समझने में विफल रही। तीन टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मैच बेंगलुरु में हुआ था। उस मैच में बादल भरे आसमान के नीचे पहले बैटिंग करने का भारतीय टीम का फैसला गलत साबित हुआ और वहां से मोमेंटम पूरी सीरीज के लिए न्यूजीलैंड के पक्ष में चला गया। लेकिन, कंडिशन पढ़ने में गलती हुई कैसे? पिछले कुछ समय में यह बात कई बार उठ चुकी है कि भारत में चुनिंदा मैदानों पर ही टेस्ट मैच आयोजित किए जाने चाहिए। इससे टीम को पता रहेगा कि मैच कहां होना है और वहां किस तरह की परिस्थितियां मिलेंगी। ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड जैसी टीमें यही करती हैं। देशभर में घूम–घूमकर टेस्ट खेलने से टीम को नुकसान हो रहा। ऐसा लगता है कि भारतीयों से ज्यादा न्यूजीलैंड के खिलाड़ियों ने माहौल को पढ़ लिया था।

जीत तमाम कमियों को छुपा देती है, जबकि हार से हर जख्म खुल जाते हैं। फिलहाल टीम इंडिया के साथ यही मामला है। ऐसा कितनी बार हुआ है, जब लोअर ऑर्डर ने बैटिंग में टीम को संभाला। कई सीनियर तब भी कंसिस्टेंट नहीं थे। इस पूरी सीरीज में वह कमी खुलकर सामने आ गई। सीनियर्स के जिम्मेदारी लिए बिना टीम आगे नहीं बढ़ सकती।

टीम इंडिया इस सीरीज में अति–आत्मविश्वास के साथ उतरी थी। परिणाम अप्रत्याशित रहे। अब उसके सामने वह चुनौती है, जिसे सबसे मुश्किल माना जाता है, ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज। भारतीय टीम लगातार तीसरी बार वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप के फाइनल में जगह बना पाती है या नहीं, यह इस सीरीज से तय होगा। हार की समीक्षा की जानी चाहिए, उपाय भी अपनाए जाने चाहिए, लेकिन हर हाल में इस हार को पीछे छोड़ना होगा। तभी भारतीय टीम भविष्य में और मजबूत होकर सामने आ सकती है।

गणेश मूर्ति

धर्म-दर्शन

अशोक वोहरा। गणेशा भी वहां मौजूद था एक किनारे में बैठा हुआ था गणेशा तुरंत खड़ा हुआ और कहता है कि ऐसा करो मूर्ति की जगह मैं खड़ा हो जाता हूं आप उससे ही पूजा आराधना कर कर भोग लगाकर अपना गणेश चतुर्थी मना सकते हैं। यह सुंदर सेठ और सेठानी को काफी ज्यादा गुस्सा आता है सेठ कहता है कि पहले तो तुम सेठानी को परेशान किया करता था और मुझे भी परेशान करने लगा है। उसके बाद गणेश मूर्ति की जगह पर खड़ा होता है अपने असल स्वरूप में श्री गणेश जी के रूप में प्रकट हो जाते हैं। सेठ और सेठानी दोनों मिलकर पूजा हारना करते हैं और फिर भक्तिमय हो जाते हैं। आपको बता देगी सेठ और सेठानी श्री गणेश जी पर गुस्सा हो गए थे इस कारण से वह अपने आपको बहुत ज्यादा दुखी महसूस कर रहे थे। गणेश जी ने तो तुरंत ही अपना असल रूप पर आकर पूजा होने के बाद हुआ वहां से गायब हो गया था।

...शेष कल

संपादकीय

कानून की आड़

कनाडा का कानून कहता है कि वह किसी शख्स को ऐसे देश में प्रत्यर्पित नहीं कर सकता, जहां उसे मौत की सजा दी जा सकती हो। बस इसी के सहारे नूर चौधरी बचा हुआ है। इस मसले को लेकर दोनों सरकारों के बीच कई बार बातचीत हो चुकी है। प्रधानमंत्री रहते हुए शेख हसीना ने खुद भी कनाडा के सामने यह मुद्दा उठाया था। लेकिन उधर से हर बार जवाब ना में ही आया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, नूर को कनाडा की नागरिकता नहीं मिली है और न ही शरणार्थी आवेदन स्वीकार हुआ है। नूर ने जब शरण मांगी थी तो कनाडा के इमिग्रेशन एंड रिफ्यूजी बोर्ड ने पाया था कि उसकी कहानी भरोसा करने लायक नहीं है। वह खुद को राजनीतिक षडयंत्र का शिकार बता रहा था, जबकि बोर्ड ने माना कि वह भगोड़ा है। इसके बाद भी उसके प्रत्यर्पण की कार्रवाई आगे नहीं बढ़ी। हैरत की बात यह है कि कनाडा ने इस बारे में कोई स्पष्ट जानकारी भी बांग्लादेश को नहीं दी है। पिछले साल जब खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की मौत के बाद भारत और कनाडा के बीच कूटनीतिक तनाव बढ़ा, तब भी ढाका ने नूर का मामला उठाया था। जानकारी मिली है कि नूर ने टोरंटो में ठिकाना बनाया हुआ है। पिछले साल एक स्थानीय जर्नलिस्ट ने उसकी पहचान करते हुए विडियो भी बनाया था।

ट्रूडो ने साल भर पहले भी आरोप लगाया था कि निज्जर की हत्या भारत ने कराई है, लेकिन अभी तक उन्होंने इसके सबूत सार्वजनिक नहीं किए हैं। रिश्ते कनाडा के चीन से भी खराब हैं।

घरेलू राजनीति

मृत्युंजय कुमार राय।।

जस्टिन ट्रूडो मुश्किल में हैं। कनाडा में आम चुनाव में साल भर से भी कम वक्त बचा है और फिलहाल लग रहा है कि उनकी पार्टी हारने वाली है। ट्रूडो इसके साथ ही कई मोर्चों पर मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। भारत से रिश्ते। भारत के साथ कनाडा के संबंध और बुरी स्थिति में पहुंचते दिख रहे हैं। पिछले साल कनाडा में अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या हो गई थी। इसे लेकर भारत के साथ उसकी तकरार इधर काफी तेज हो गई है। दोनों देशों ने एक दूसरे के यहां से राजनयिकों को वापस बुला लिया है। ट्रूडो ने साल भर पहले भी आरोप लगाया था कि निज्जर की हत्या भारत ने कराई है, लेकिन अभी तक उन्होंने इसके सबूत सार्वजनिक नहीं किए हैं। रिश्ते कनाडा के चीन से भी खराब हैं। अब अगर यह सदी एशिया की है तो दुनिया की शीर्ष 5 इकॉनमी में शामिल इन दोनों देशों से बैर बढ़ाने से इतना तो तय है कि कनाडा का कोई भला नहीं होने वाला।

वैश्विक मंच पर भी कनाडा की हालत खराब है। 2020 में उसने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में शामिल होने की कोशिश की, तब उसे नॉर्वे और आयरलैंड से भी कम समर्थन मिला। पश्चिमी देशों के सैन्य अलायंस नैटो में भी कनाडा का हाल कोई अच्छा नहीं है। वह रक्षा पर जीडीपी का सिर्फ 1.3 प्रतिशत खर्च करता है, जो कि 2 प्रतिशत की जरूरी सीमा से काफी कम है। इसे बढ़ाने का ट्रूडो ने वादा तो किया है, लेकिन 2032 तक। यह भी सिर्फ वादा है, देखना होगा कि यह पूरा हो भी पाता है या नहीं।

ट्रूडो सरकार की हालत घरेलू मोर्चे पर भी अच्छी नहीं। हालिया सर्वे के मुताबिक, अगले साल होने वाले आम चुनाव में उनकी पार्टी को 25 प्रतिशत वोट भी नहीं मिलने वाले। यूं तो इसमें अभी करीब साल भर का वक्त बचा है और राजनीति में हफ्ते भर का समय भी काफी होता है। लेकिन ट्रूडो सरकार का जो हाल है, उसे देखकर नहीं लगता कि चुनाव तक उसकी रेटिंग में कोई बड़ा सुधार होने वाला है।

कनाडा की आर्थिक हालत अच्छी नहीं है। महामारी के बाद से उसकी इकॉनमी अच्छी तरह रिकवर नहीं कर पाई है। जहां 2024 के आखिर तक पड़ोसी देश अमेरिका की इकॉनमी का साइज महामारी के पहले वाले दौर से 11: बड़ा होगा, वहीं कनाडा का सिर्फ 6:। महामारी के दौर में अमेरिका में ऑनलाइन चीजों की मांग बढ़ने से कनैडियन मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों को फायदा हुआ था, लेकिन वह दौर खत्म हो चुका है। हालांकि कनाडा के लिए ऑयल–गैस सेक्टर काफी बड़ा है, लेकिन काफी समय से इंडस्ट्री में निवेश नहीं बढ़ा था। इसलिए जब यूक्रेन युद्ध की वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल–गैस की कीमतें बढ़ीं तो कनाडा उसका बहुत फायदा नहीं उठा पाया। डिमांड कम होने की वजह है होम लोन की ऊंची ब्याज दरें।

कुल मिलाकर, ट्रूडो आज कई मोर्चों पर मुश्किलों से घिरे हैं और उनकी तरफ से इनसे बाहर निकलने के आइडिया भी नहीं आए हैं। दूसरी ओर, भारत और चीन जैसे देशों के साथ रिश्ते सुधारने के बजाय घरेलू राजनीति की खातिर वह अदावत और बढ़ा रहे हैं, जबकि उनका राजनीतिक करियर अस्त होने की ओर है।

अष्टयोग-5054

	3	7	5			2
5	38		32	1	27	
	4		2	3	6	
3	32		32		33	
6		4	7		5	
	24		36	4	30	5
1			7		2	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे कलर वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5053 का हल

7	5	1	3	6	4	2
6	34	6	33	1	33	7
5	1	3	6	7	2	4
1	22	2	35	4	34	5
4	1	5	6	2	7	3
3	30	4	37	5	33	6
2	4	7	5	3	6	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

अपना ब्लॉग

इमिग्रेशन का असर

मोहन। इमिग्रेशन बढ़ने से घरों की मांग में तेजी से इजाफा हुआ है। 2018 में यहां आने वाले अस्थायी विदेशी वर्कर्स की संख्या 1 लाख के करीब थी, जो 2023 में ढाई लाख से कुछ कम रही । इनके साथ अगर छात्रों और शरण मांगने वालों को शामिल कर लिया जाए तो यह संख्या 2021 के 13 लाख के मुकाबले इस साल जुलाई में 30 लाख पहुंच गई थी। यह कनाडा की 4.1 करोड़ की कुल आबादी का 7.3 प्रतिशत है।

होम लोन की दरें अधिक होने के साथ कनाडा में घरों की लागत भी काफी ज्यादा है और इससे भी जनता की परेशानी बढ़ी है। पिछले 10 वर्षों में दूसरे अमीर देशों के मुकाबले कनाडा में घर खरीदने की लागत में सबसे अधिक बढ़ोतरी हुई है। उसकी वजह यह है कि यहां घरों की सप्लाई बहुत कम है। एक अनुमान के मुताबिक, इस चुनौती से निपटने के लिए अगले 10 वर्षों में वहां 58 लाख घर बनाने होंगे, लेकिन ऐसी पहल अभी होती नहीं दिख रही।

शाहरुख खान को धमकी मामले में 18 नवंबर तक पुलिस रिमांड में आरोपी

शाहरुख खान को धमकी मामले में रायपुर से गिरफ्तार किए गए आरोपी फैजान खान को 18 नवंबर तक पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है। फैजान खान पेशे से एक वकील है और उसे शाहरुख खान को धमकी देने के मामले में छत्तीसगढ़ के रायपुर से गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद उसे मुंबई लाया गया, जहां उसे बांद्रा कोर्ट में पेश किया गया। पुलिस ने फैजान के लिए सात दिन की रिमांड मांगी, ताकि शाहरुख खान को धमकी मामले में ढंग से जांच की जा सके। लेकिन आरोपी के वकीलों अमित मिश्रा और सुनील मिश्रा ने कहा कि फैजान ने धमकी नहीं दी, बल्कि इस घटना से पहले उसका फोन चोरी हो गया था। उन्होंने कोर्ट में तर्क दिया कि फैजान के फोन से की गई धमकी भरी कॉल उसके खिलाफ एक साजिश थी क्योंकि उसने पहले शाहरुख खान के खिलाफ उनकी फिल्म अंजाम में हिरण शिकार के संदर्भ में एक डायलॉग को लेकर मुंबई पुलिस में शिकायत की थी। कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद आरोपी फैजान को 18 नवंबर तक के लिए पुलिस रिमांड में भेज दिया। मालूम हो कि बांद्रा पुलिस को 5 नवंबर को धमकी भरा फोन आया था, जिसमें शाहरुख खान से 50 लाख रुपये की फिरौती की मांग की गई। कहा गया कि पैसे न देने पर उसे जान से मार देंगे।

नफरत में मोहब्बत जितनी शिद्दत और इंतकाम की रूह कंपाने वाली कहानी

डिज्नी प्लस हॉटस्टार की नई सीरीज ठुकरा के मेरा प्यार का ट्रेलर रिलीज हो गया है। मेकर्स का दावा है कि जितनी शिद्दत प्यार में थी, उतनी ही नफरत इंतकाम में होगी। मोहब्बत से बदले तक का सफर ठुकरा के मेरा प्यार इंतकाम की एक नई दिलचस्प कहानी है, जो भारत के ग्रामीण परिवेश को परदे पर साकार करती है। प्यार, धोखे और बदले की यह कहानी दर्शकों को अपनी सीट से बांधकर रखेगी। इस शो की कहानी दमदार है, जहां प्यार प्रतिशोध में बदल जाता है और धोखा मुक्ति की तलाश को बढ़ावा देता है।
ठुकरा के मेरा प्यार की कहानी कुछ यूं है– कुलदीप (धवल ठाकुर) एक होशियार युवक है और एक निम्न वर्गीय परिवार से ताल्लुक रखता है। उसे एक प्रभावशाली चौहान परिवार की लड़की शानविका से प्यार हो जाता है। उनका प्यार सामाजिक दबावों की वजह से टूट जाता है और इसके बाद भयानक परिणाम सामने आते हैं। इस सीरीज को 22 नवंबर 2024 से ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम किया जायेगा। इसमें दिखाया जाएगा कि अपने प्यार के लिये कोई किस हद तक जा सकता है। इस अनोखी कहानी में प्रेम और उसे पाने के जुनून को दिखाया गया है।

ऑस्कर कैंपेन के बीच आमिर खान न्यूयॉर्क में बनाते दिखे शीरमाल

आमिर खान और किरण राव इस वक्त सातवें आसमान पर हैं। वजह है उनकी फिल्म श्लापता लेडीजश जिसे ऑस्कर 2025 में भारत की ओर से ऑफिशियल एंट्री मिली है। अब आमिर और करण इस फिल्म को लेकर कैंपेन में जुट गए हैं और प्रमोशनल इवेंट कर रहे हैं। इस दौराम भारत के एक मशहूर शेफ ने न्यूयॉर्क में फिल्म की टीम के लिए स्पेशल इवेंट रखा जिसमें आमिर खान ने हिस्सा लिया। विकास खन्ना ने एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। इस वीडियो में उनकी आमिर खान के सामने कंटेस्टेंट के तौर पर शेफ की टीम से एक लड़की नजर आ रही हैं। यहां कॉम्पिटिशन ये है कि दोनों में से कौन बढ़िया शीरमाल तैयार करते हैं। विकास ने इस वीडियो को शेयर करते हुए लिखा, आज हमारे पास आमिर खान और मायशा रिजवी के बीच बेस्ट शीरमाल बनाने का कॉम्पिटिशन हुआ। दोनों ने बेहतरीन काम किया और आखिरकार मायशा की जीत हुई। पिछले कुछ दिनों में किरण राव और आमिर खान प्रॉडक्शन के साथ जियो ऑफिशियल स्टूडियो टीम को देखना और उनके साथ मिलकर काम करना एक सपना रहा है। उनकी विनम्रता, जुनून और सादगी ने हमारा दिल जीत लिया और ऑसिकर की जर्नी के लिए लापता लेडीज की टीम को शुभकामनाएं।

यकीन नहीं हो रहा कि ये जया बच्चन हैं, हैरान हुए सभी

जया बच्चन की कुछ लेटेस्ट तस्वीरें ने सोशल मीडिया पर तूफान मचा दिया है। इन तस्वीरों में जया बच्चन वामिका गाबी और सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों में जया बच्चन का एक ऐसा रूप देखने को मिल रहा है जो इससे पहले सोशल मीडिया पर कभी–कभार ही देखा गया है। जया को इतना खुशमिजाज देखकर लोगों ने अपने–अपने दिल की बातें भी खुलकर रख दी हैं।

सामने आई दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग की झलक
दरअसल ये बीटीएस तस्वीरें जया बच्चन की अगली फिल्म श्दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग के सेट की हैं। इस अपकमिंग फिल्म दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग के मेकर्स ने सेट से कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर कीं।

लोगों की नजरें केवल और केवल जया बच्चन पर जा टिकीं
इन तस्वीरों के सामने आते ही लोगों की नजरें केवल और केवल जया बच्चन पर जा टिकीं। लोगों को ये पहचान पाना मुश्किल हो गया कि ये तस्वीरें जया बच्चन की ही हैं। इन तस्वीरों में जया स्टेज पर सिद्धांत और वामिका के साथ जॉली मूड में माइक थामे हुए गाने वाले अंदाज में दिख रही हैं। लोगों ने इन झलकियों पर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

हैरानी जताई है।

मुझे दो बार देखना पड़ा कि क्या जया जी वाकई हंस रही हैं
एक यूजर ने लिखा है, मुझे दो बार देखना पड़ा कि क्या जया जी वाकई हंस रही हैं। एक यूजर ने उनके चेहरे की हंसी देखकर कहा– ये जया बच्चन हो ही नहीं सकतीं। एक और ने कहा– बस ये जया बच्चन की वजह से फ्लॉप न हो। एक अन्य ने कहा– चलो अच्छा है, फिल्म के बहाने हंसी तो सहीं।

साल 2025 में रिलीज होगी ये फिल्म
यहां बता दें कि पिछली बार जया आलिया भट्ट और रणवीर सिंह की फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में नजर आई थीं। बताया गया है कि दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग आज से फ्लोर पर आ गई है। यह फिल्म इमोशंस, ड्रामा, प्यार की कहानी है, जो साल 2025 में बड़े पर्दे पर आएगी।

अभिषेक बच्चन ने अपने थुलथुल शरीर की तरफ किया इशारा

अभिषेक बच्चन ने अपने बढ़े हुए वजन और अपनी अगली फिल्म आई वॉन्ट टू टॉक के निर्देशक शूजित सरकार के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में बातें की। उन्होंने बताया कि इस फिल्म के लिए उन्होंने अपना वजन बढ़ाया, जो उनके लिए एक चुनौतीपूर्ण लेकिन सीखने वाला अनुभव रहा।

अभिषेक बच्चन ने हाल ही में डायरेक्टक शूजित सरकार के साथ अपनी फिल्म श्आई वॉन्ट टू टॉकश में काम करने के अपने अनुभवों को लेकर बातें कीं । श्पीकूश जैसी फिल्में बनाने के लिए मशहूर शूजित गहरी, सार्थक कहानियां बनाने के लिए मशहूर हैं। अभिषेक ने बताया कि उनके साथ काम करना एक खास अनुभव था जिसने उन्हें कई मायनों में बदल दिया है। आई वॉन्ट टू टॉक के म्यूजिक लॉन्च पर अभिषेक ने अपनी भूमिका और फिल्म के लिए खुद में आए फिजिकल चेंजेज के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि शूजित के साथ काम करना उनके लिए सौभाग्य की बात थी। उन्होंने कहा, श्उनके ऑफिस के बाहर हमेशा लोगों की लंबी लाइन लगी रहती है क्योंकि उनके साथ फिल्म बनाने का अनुभव बहुत बदलाव लाने वाला होता है। सिर्फ शारीरिक रूप से ही नहीं, बल्कि आप जो देखते हैं, उससे भी।श

पोस्टर में नका पेट काफी बढ़ा हुआ दिखाई दे रहा है
उन्होंने फिल्म के पोस्टर की ओर इशारा किया , जिसमें उनका पेट काफी बढ़ा हुआ दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा, श्मैं अब इस शेप में नहीं हूं।श उन्होंने कन्फर्म किया कि पोस्टर में दिखाया गया पेट असली है, प्रोस्थेटिक नहीं और बताया कि उन्होंने इस भूमिका के लिए वजन बढ़ाया है। अभिषेक ने इस अनुभव को श्लाइफ चेंजिंग बताया और कहा, लेकिन यह सीखने वाला अनुभव रहा है। यह जीवन बदलने वाला रहा है और मुझे उम्मीद है कि हम सिनेमा में या फिल्म देखने में बिताए जाने वाले आपके दो, तीन घंटों में कुछ बदलाव लाने में कामयाब रहे हैं। हमने कड़ी मेहनत की है। यह एक बहुत ही ईमानदार कोशिश है।

कभी-कभी रुककर भावनाओं को महसूस करना अच्छा लगता है
अभिषेक ने शूजित के फिल्म बनाने के यूनीक अंदाज की भी तारीफ की। उन्होंने बताया कि शूजित की शैली इंडस्ट्री में आम कमर्शियल फिल्मों से बहुत अलग है। इसे उन्होंने श्ताजी हवा का झोंकाश कहा। उन्होंने कहा कि बिना सोचे–समझे फिल्म देखने की बजाय कभी–कभी रुककर भावनाओं को महसूस करना अच्छा लगता है। अभिषेक ने यह भी बताया कि शूजित के लिए फिल्म का एक पर्सनल मीनिंग है।

बेहद खतरनाक है निमोनिया, जानें कब बन जाता है जानलेवा

निमोनिया बैक्टीरिया, वायरस, कवक, परजीवी, रसायन और एलर्जी के कारण हो सकता है। कारण चाहे जो भी हो लेकिन सभी प्रकार के निमोनिया के संकेत और लक्षण समान होते हैं। इसके चपेट में आने पर वृद्ध लोगों को कभी-कभी सांस लेने में कठिनाई और भ्रम की समस्या हो सकती है।

क्या है इसके लक्षण

व्यक्ति की उम्र उसके सेहत की स्थिति और संक्रमण के गंभीरता के अनुसार निमोनिया के लक्षण अलग–अलग हो सकते हैं। निमोनिया होने पर व्यक्ति को बुखार हो जाता है और काफी ठंड लगती है। सांस लेने में कठिनाई और सीने में दर्द भी बना रहता है। वहीं खांसी के साथ बलगम में खून आने की संभावना भी देखी जा सकती है। दिल की धड़कन तेज हो जाती हैं और व्यक्ति जल्दी ही थक जाता है और काफी कमजोरी महसूस करता है। ऑक्सीजन की कमी होने के कारण नाखून या स्किन नीली नजर आने लगती है। सुस्ती और चिड़चिड़ापन भी इसके सामान्य लक्षण हैं।

निमोनिया के कारण

फेफड़ों में सूजन और संक्रमण, नमी और ठंड, संक्रमण का प्रसार , कमजोर इम्यून सिस्टम या शरीर में पोषक तत्वों की कमी की वजह से निमोनिया संक्रमण ज्यादा खतरा फैलने का डर होता है। छींकने और खांसने से इसके बैक्टीरिया व वायरस अन्य लोगों में भी फैल सकते हैं।

किसे रहता है अधिक खतरा

निमोनिया के केसेस कम उम्र के बच्चों में अधिक देखने को मिलते हैं और 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों में निमोनिया से होने वाला मृत्यु दर भी अधिक है। बच्चों में अधिकतर जीवाणु संक्रमण ही इसका कारण होता है। 60 वर्ष से अधिक आयु के लोग गर्भवती महिलाएं एचआईवी संक्रमित लोगों का इम्यून सिस्टम कमजोर होने के कारण इन्हें भी निमोनिया होने का खतरा अधिक रहता है।

निमोनिया का निदान

प्रारंभिक जांच के लिए डॉक्टर के पास जाएं। कई सवालो के द्वारा डॉक्टर इस बीमारी का कारण जानने का प्रयास करते हैं जैसे आपने हाल में कहीं यात्रा की हो या किसी जानवर के संपर्क में आए हो। स्टेटस स्कोप की मदद से फेफड़ों में होने वाली सूजन का पता लगाया जाता है। यदि बीमारी गंभीर रूप से अपने चपेट में ले लेती है तो एक्स–रे का इस्तेमाल भी किया जाता है। थूक और ब्लड टेस्ट के माध्यम से भी निमोनिया के गंभीरता का पता किया जाता है।

इलाजः यदि इस बीमारी का इलाज सही समय पर नहीं किया गया तो यह काफी गंभीर रूप ले सकती है। इससे फेफड़ों में फोड़ा यह हृदय संबंधी बीमारियां और और क्रॉनिक निमोनिया होने का डर बना रहता है। सर्दी के मौसम में निमोनिया का खतरा बढ़ जाता है लेकिन यदि सही समय पर आप इससे बचने के उपाय अपनाते हैं और समय पर इलाज करते हैं तो आप इसकी गंभीरता से बच सकते हैं।

वजाइना में इंफेक्शन है तो ब्लड टेस्ट कराएं, कहीं डायबिटीज तो नहीं

40 की उम्र के बाद यानी मेनोपॉज के दौरान महिलाओं के शरीर में कई बदलाव आते हैं। मेनोपॉज के बाद महिलाओं में डायबिटीज, थायराइड, दिल की बीमारियां होने की संभावना बढ़ जाती है। महिलाओं की यह उम्र बड़ी नाजुक होती है इसलिए शरीर में आ रहे बदलावों पर नजर रखना बेहद जरूरी है। महिलाओं के शरीर पर हार्मोन का असर हर उम्र में होता है। पीरियड्स शुरू होने से लेकर प्रेग्नेंसी, डिलीवरी के बाद और मेनोपॉज के दौरान भी हार्मोन्स के कारण महिलाओं के शरीर में कई बदलाव आते हैं। आमतौर पर 50 से 55 की उम्र में महिलाओं को मेनोपॉज होता है। ये वो उम्र होती है जब महिलाओं को कई शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक समस्याओं से गुजरना पड़ता है।

डायबिटीज का फिजिकल रिलेशन पर असर

मेनोपॉज का असर महिलाओं के फिजिकल रिलेशन पर भी पड़ता है। शरीर में एस्ट्रोजन हार्मोन कम होने के कारण महिलाओं में लिबिडो की कमी होने लगती है यानी उनकी फिजिकल रिलेशन बनाने की इच्छा कम हो जाती है। लेकिन कई बार सेक्शुअल रिलेशन की इच्छा न होने का कारण डायबिटीज भी हो सकती है। अगर महिला के शरीर में शुगर लेवल ज्यादा है तो उसकी फिजिकल रिलेशन की इच्छा नहीं होती। संबंध बनाते समय उसे वाजाइना में घाव हो सकता है या वजाइनल इंफेक्शन भी हो सकता है।

वजाइनल इंफेक्शन में ब्लड टेस्ट कब जरूरी?

40 की उम्र में अगर महिला को बार–बार सर्वाइकल इरोजन, वजाइनल डिस्चार्ज, इंफेक्शन या घाव हो तो उसे अपना ब्लड टेस्ट कराना चाहिए। अगर डायबिटीज के कारण ये समस्याएं हो रही हैं तो इंफेक्शन के साथ साथ डायबिटीज का ट्रीटमेंट भी शुरू कर दें। शुगर

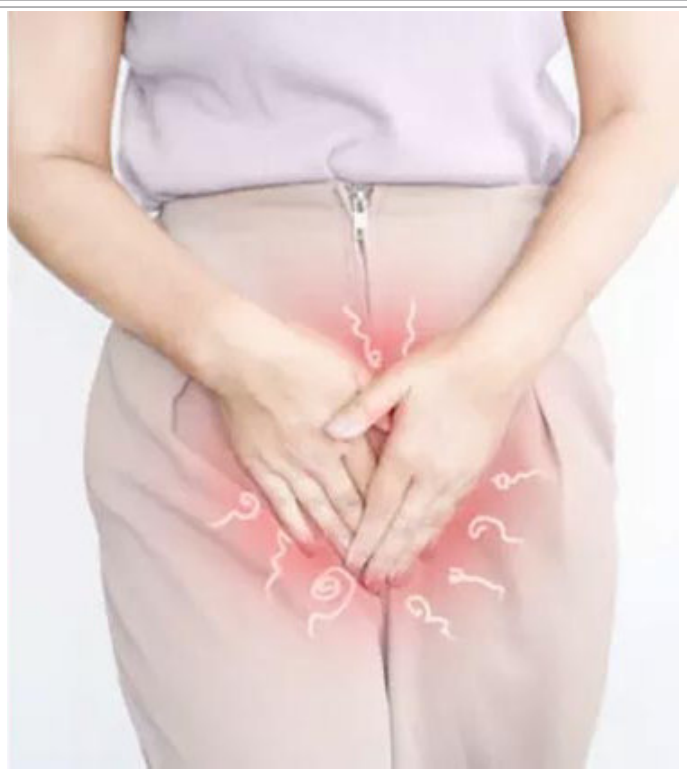

लेवल कंट्रोल में होने पर ये समस्याएं भी ठीक हो जाती हैं।

एस्ट्रोजन की कमी का फिजिकल रिलेशन पर असर

मेनोपॉज के बाद काई महिलाओं को फिजिकल रिलेशन के दौरान बार बार वजाइना में घाव या दर्द होता है। इसकी वजह शरीर में एस्ट्रोजन हार्मोन की कमी है। एस्ट्रोजन हार्मोन की कमी के कारण वजाइना और उसके आसपास की मसल्स की इलास्टिसिटी कम हो जाती है। ड्राइनेस के कारण महिला को संबंध बनाते समय दर्द या घाव हो सकता है। ऐसी स्थिति में महिलाएं एक्सपर्ट की सलाह पर लुब्रिकेंट का इस्तेमाल कर सकती हैं। मेनोपॉज के बाद लुब्रिकेंट न होने से वजाइना में घाव हो सकता है। लेकिन इस उम्र में लापरवाही सही नहीं। अगर महिला को बार–बार वाजाइना में घाव या इंफेक्शन हो रहा है तो इसकी वजह डायबिटीज हो सकती है।

वजाइनल इंफेक्शन का डायबिटीज से कनेक्शन

कई महिलाएं जब वजाइना के घाव का इलाज कराने डॉक्टर के पास जाती हैं तब पता चलता है कि उन्हें डायबिटीज है। जो महिलाएं डायबिटीज के इलाज में लापरवाही करती हैं उनकी समस्या जल्दी ठीक नहीं हो पाती। ऐसे में महिलाओं को चाहिए कि अपना शुगर लेवल कंट्रोल में रखें ताकि इसका असर उनके फिजिकल रिलेशन पर न पड़े।

40 के बाद सेहत के प्रति सजग रहें

महिलाएं अपनी सेहत को लेकर बहुत लापरवाह होती हैं। जब तक तकलीफ बहुत ज्यादा न बढ़ जाए तब तक वो अपनी समस्या का जिक्र पति या परिवार से नहीं करतीं। इसकी वजह से कई बार समस्या इतनी बढ़ जाती है कि महिलाओं को इसके लिए बहुत तकलीफ झेलनी पड़ती है।

डायबिटीज के बारे में फैली हैं कुछ भ्रांतियां, जानें इससे जुड़े कुछ मिथक और सच

यह सबसे आम और प्रचलित मिथकों में से एक है कि ज्यादा मीठा खाने से डायबिटीज हो जाता है। हालांकि, यह पूरी तरह सच नहीं है। टाइप 1 डायबिटीज एक ऑटोइम्यून बीमारी है जो अक्सर बचपन में शुरू होती है और इसका डाइट से कोई संबंध नहीं होता। दूसरी ओर, टाइप 2 डायबिटीज कई कारकों से प्रभावित होती है, जिनमें लाइफस्टाइल, जेनेटिक्स और स्वास्थ्य संबंधी बिमारियां शामिल हैं। सिर्फ मीठे के सेवन से डायबिटीज नहीं होता है, बल्कि खराब खानपान और शारीरिक गतिविधियों की कमी जैसे कारक भी इसमें रोल निभाते हैं। बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं डायबिटीज के पेशेंट। इसकी मुख्य वजह या यूं कहिए इसके कारको में उम्र, पारिवारिक इतिहास और जेनेटिक्स शामिल हैं। गलत लाइफस्टाइल के कारण जैसे मोटापा, खराब डाइट और इनएक्टिव लाइफस्टाइल, टाइप 2 डायबिटीज के रिस्क को बढ़ा सकते हैं। एक और आम धारणा है कि डायबिटीज से पीड़ित लोग कार्बोहाइड्रेट, मीठा और अन्य फोरबिडेन डाइट नहीं खा सकते। वास्तव में, डायबिटीज के नियंत्रण के लिए जरूरी है बैलेंस डाइट ना कि प्रतिबंधित डाइट। सही मात्रा में और संतुलित आहार के साथ, डायबिटीज से ग्रस्त लोग भी मिठाई और कार्बोहाइड्रेट को एंजॉय कर सकते हैं। ब्लड शुगर के लेवल को कंट्रोल करने के लिए हेल्दी डाइट और रेगुलर एक्सरसाइज साथ में मेडिकेशन महत्वपूर्ण है।

पेशाब में दिख जाते हैं डायबिटीज के शुरूआती लक्षण

डायबिटीज एक खतरनाक बीमारी है जिसे साइलेंट किलर के नाम से भी जाना जाता है। द लैंसेट में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया भर में टाइप 1 या टाइप 2 डायबिटीज से पीड़ित वयस्कों की संख्या 800 मिलियन से अधिक हो गई है। अगर बात करें भारत की तो यहां लगभग 100 मिलियन भारतीय डायबिटीज से पीड़ित हैं, जबकि 136 मिलियन लोग प्री–डायबिटिक कंडीशन में हैं, जिन्हें फ्यूचर में डायबिटीज हो सकती है। डायबिटीज के लक्षण क्या हैं? इसमें ज्यादा प्यास लगना, भूख लगना, ज्यादा थकान, दिखने में परेशानी, घाव या चोट का जल्दी ठीक न होना, वजन कम होना, हाथ–पैरों में झुनझुनी, दर्द या सुन्नता, त्वचा में सूखापन, मतली और उल्टी जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। इनमें एक सबसे बड़ा लक्षण हैं पेशाब में किसी तरह का बदलाव। डायबिटीज सीधे रूप से शरीर में ग्लूकोज कंट्रोल और प्रोसेस करने के तरीके को प्रभावित करता है। जब खून में शुगर लेवल बहुत अधिक बढ़ जाता है, तो किडनी इसे फिर से अवशोषित नहीं कर पाती है, जिससे ग्लूकोज पेशाब में चला जाता है। इसे ग्लाइकोसुरिया कहा जाता है। पेशाब में ग्लूकोज लेवल बढ़ने का सीधा संकेत यह है कि खून में शुगर लेवल ठीक से कंट्रोल नहीं हो रहा है, जो डायबिटीज का शुरूआती लक्षण हो सकता है।

सर्दियों के मौसम में बच्चों में बढ़ने लगता है वायरल इंफेक्शन

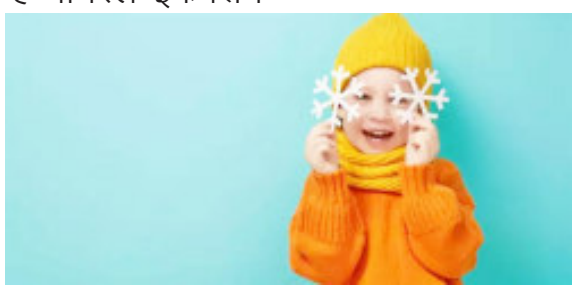

डॉ सुनील गुप्ता, सीनियर कंसलटेंट, पीडिऐट्रिक्स, सरोज सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल , नई दिल्ली के मुताबिक, ये वायरस बच्चों की बॉडी में जाने के बाद संक्रमण पैदा करते हैं, जो आमतौर पर पेट, स्किन, गला, नाक, श्वसन तंत्र, को प्रभावित कर सकते हैं। यह संक्रमण अधिकतर ठंड के मौसम में ही फैलते हैं। आइए जानते हैं इससे बचने के उपायों के बारे में। बच्चे बाहर खेलते समय कई चीजों को छूते हैं और वही अन्य बच्चों को छूने की वजह से भी उन्हें वायरल इंफेक्शन हो सकता है इसलिए अपने बच्चों को बार–बार हैंड वॉश करने की आदत सीखनी चाहिए खास तौर पर खाने से पहले और बाथरूम जाने के बाद हाथ धोने की आदत जरूर डालें। ठंडा मौसम में बच्चों को गर्म कपड़े पहनाए और शुष्क और ठंडी हवा से बचाव के लिए जैकेट स्वेटर और टोपी से उनके शरीर को जरूर कर करें वरना ठंड के मौसम में उन्हें जल्दी बीमारियां घेर सकती हैं। इसके अलावा विटामिन ब युक्त चीजें जैसे कि संतरा, अंगूर, आंवला, और नींबू को देने से बच्चों की इम्यूनिटी मजबूत होती है। ठंडी और तली–भुनी चीजों को खाने से बचना चाहिए। ये गले की खराश और सूजन बढ़ा सकते हैं।

पहले टेस्ट में रोहित का खेलना मुश्किल

भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया नहीं पहुंचे हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो वह पिता बनने वाले हैं। इसी वजह से पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में होने वाले पहले टेस्ट से बाहर रह सकते हैं। हालांकि टीम मैनेजमेंट ने अभी तक इसपर कुछ साफ नहीं किया है। ऑस्ट्रेलिया रवाना होने से पहले हेड कोच गौतम गंभीर ने कहा था कि रोहित पर आखिरी फैसला मैच से पहले लिया जाएगा। ऐसे में भारत को उनकी जगह लेने के लिए ओपनर चाहिए।

पर्थ की पिच का आतंक शुरू, दर्द में हुए रिटायर हर्ट केएल राहुल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पर्थ। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 22 नवंबर से पर्थ स्टेडियम में टेस्ट सीरीज का पहला मैच खेलने वाली है। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के शुरू होने से पहले टीम इंडिया वाका के मैदान पर ट्रेनिंग कर रही। वाका की पिच दुनिया में सबसे तेज मानी जाती है। इसी मैदान पर भारतीय टीम टेस्ट सीरीज होने से पहले आपस में मैच खेल रही है। इसमें यशस्वी जायसवाल के साथ केएल राहुल सलामी बल्लेबाज करने उतरे। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी शुरू होने से पहले भारत के लिए अच्छी खबर नहीं आ रही है। मैच जैसी परिस्थिति बनाकर खेले जा रहे इस मुकाबले में केएल राहुल चोटिल हो गए। एक बाउंस लेती गेंद राहुल की दाहिने कोहनी पर जाकर लगी। गेंद लगाने के बाद वह बहुत सहज नहीं दिख रहे थे। चोटिल होने के बाद वह दर्द से कराह उठे और तुरंत फिजियो ने आकर भारतीय टीम के प्रमुख बल्लेबाज को चेक किया। फिजियो के चेक करने के बाद केएल राहुल ने फिर से बैटिंग शुरू करने की कोशिश की लेकिन वह ऐसा नहीं कर पाए। इसके बाद उन्होंने रिटायर हर्ट होने का फैसला किया। गेंदबाजी टीम में प्रसिद्ध कृष्णा और मुकेश कुमार जैसे खिलाड़ी हैं।

अंशुल कम्बोज ने इतिहास में दर्ज करा लिया अपना नाम

क्रिकेट

एक पारी में 10 विकेट लेकर मचा दिया तहलका, 39 साल का सूखा किया खत्म

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। तेज गेंदबाज अंशुल कम्बोज ने शुक्रवार को अपना नाम इतिहास में दर्ज करा लिया है। अंशुल ने रणजी ट्रॉफी में हरियाणा की तरफ से खेलते हुए एक पारी में सभी 10 विकेट लेने का काम किया है। अंशुल ने ये काम लाहली के चौधरी बंसीलाल क्रिकेट स्टेडियम में केरल के खिलाफ मैच में किया।

अंशुल रणजी ट्रॉफी के इतिहास में सिर्फ तीसरे ही गेंदबाज हैं जिन्होंने एक पारी में 10 विकेट लेने का काम किया है। उन्होंने केरल की बल्लेबाजी को तहस–नहस कर दिया और एक भी विकेट दूसरे गेंदबाजों को नहीं लेने दिया। अंशुल ने 30.1 ओवरों में 49 रन देकर 10 विकेट लिए। केरल की टीम पहली पारी में 291 रनों ही बना सकी।

अंशुल से पहले रणजी ट्रॉफी में एक पारी में 10 विकेट लेने का काम बंगाल के प्रेमांग्शू चटर्जी और प्रदीप सुंदरम ने किया है। चटर्जी ने साल 1957 में असम के खिलाफ जोरहट में ये काम किया था। प्रदीप ने वहीं विदर्भ के खिलाफ 1985 में ये काम किया था। तब से 39 साल बाद अब अंशुल ने रणजी ट्रॉफी में एक पारी में सभी 10 विकेट लिए हैं। वहीं फर्स्ट क्लास क्रिकेट में एक पारी में 10 विकेट लेने वाले अंशुल पांचवें भारतीय हैं। देवाशीष मोहंती ने दलीप ट्रॉफी में साल 2001 में एक पारी में सभी 10 विकेट लिए थे। अनिल कुंबले भी ये काम कर चुके हैं।

जहां तक केरल की बल्लेबाजी है तो उसके चार बल्लेबाजों ने अर्धशतक जमाए। सबसे ज्यादा 59 रन अक्षय चंद्रन ने बनाए। उनके अलावा रोहन कुनुमल ने 55 और मोहम्मद अजहरुद्दीन ने 53 रनों की पारी खेली। लेकिन इनमें से कोई भी बल्लेबाज अपनी पारी में शतक में तब्दील नहीं कर सका। शॉन रोजर ने 42 रनों की पारी खेली।

इसके बाद उन्होंने आईपीएल 2024 में मुंबई इंडियंस के लिए तीन मैच खेले और दो विकेट लिए। कंबोज ने पिछले महीने ओमान में इमर्जिंग मेन्स एशिया कप में इंडिया श्एश के लिए खेला और तीन मैचों में चार विकेट लिए। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में जिम लेकर, अनिल कुंबले और एजाज पटेल ने ही टेस्ट मैच की एक पारी में सभी दस विकेट लिए हैं।

पंत और बुमराह ने नेट्स पर लिया एक–दूसरे से पंगा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। जसप्रीत बुमराह और ऋषभ पंत मौजूदा समय के बेहतरीन क्रिकेटरों में से एक हैं। बुमराह की गेंदबाजी बल्लेबाजों के लिए काल है तो वहीं पंत विकेटकीपिंग और बैटिंग के जरिए विपक्षी टीमों पर हावी रहते हैं। इस समय दोनों ही टीम इंडिया के साथ ऑस्ट्रेलिया दौरे पर हैं। पर्थ के वाका में टीम इंडिया इंट्रा–सक्वाड मैच खेल रही है और इससे पहले दोनों ने अपने रोल बदल लिए।

बीसीसीआई ने अपने एक्स हैंडल पर एक वीडियो पोस्ट किया है। इस वीडियो में बुमराह को पैड पहने देखा जा सकता है तो वहीं पंत के हाथ में गेंद है। पंत गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल से मदद लेते भी दिखाई दे रहे हैं। मोर्कल ने भी बुमराह को गेंदबाजी की जिसे वह खेल गए। पंत और बुमराह

■पंत ने कहा– मैंने बुमराह को पेल दिया

के बीच शर्त लगी थी कि विकेटकीपर–बल्लेबाज बुमराह को आउट कर पाते हैं या नहीं। बुमराह जब गेंदबाजी के लिए तैयार हो रहे थे तब पंत के हाथों में गेंद थी और बुमराह उनसे मना कर रहे थे कि गेंदबाजी मतकर लेकिन पंत मान नहीं रहे थे। बुमराह जब बल्लेबाजी करने आए तो पंत ने गेंदबाजी की। इस दौरान दोनों में विकेट लेने की शर्त लग गई। पंत ने बुमराह को एक बाउंसर फेंकी जिस पर उन्होंने शॉट खेला। बुमराह ने कहा कि ये छक्का है लेकिन पंत ने तुरंत कहा ये आउट है।

पंत ने मोर्ने मॉर्कल से भी पूछा कि ये आउट था नहीं। गेंदबाजी कोच ने भी पंत का साथ दिया। इस दौरान पंत कैमरे पर बोलते दिखे, ष्जसप्रीत बुमराह को पेल दिया है मैंने, नेट पर आउट करा है एक विकेट मिला है। बुमराह ने अपना बचाव करते हुए कहा कि पंत का गेंदबाजी एक्शन सही नहीं है। उन्होंने कहा, ये नॉट आउट था। ये चौका है या दो रन है। मैंने पुल शॉट अच्छा कनेक्ट किया। उसको लगता है कि वहां सात फील्डर हैं। पंत को गेंदबाजी करने नहीं देना चाहिए। ये दौरा भारत के लिए काफी अहम है। इस दौरे पर भारत के वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप खेलने के अरमान टिके हुए हैं।

अगर टीम इंडिया इस दौरे पर हारती है तो फाइनल नहीं खेल पाएगी। वहीं टीम इंडिया की कोशिश ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टेस्ट सीरीज जीत की हैट्रिक लगाने पर हैं। इससे पहले दो ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर भारत ने टेस्ट सीरीज में जीत हासिल की है।

राजा अपने साम्राज्य में वापस आ गया है

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री ने विराट कोहली के आलोचकों को करारा जवाब दिया है। रवि शास्त्री ने विराट कोहली का समर्थन करते हुए कहा कि वह अपने पसंदीदा देश के खिलाफ क्रिकेट खेलने के लिए उनकी सरजमीं पर मौजूद हैं। शास्त्री ने कहा कि पूर्व कप्तान अपने पसंदीदा शिकार के मैदान ऑस्ट्रेलिया में अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में लौटेंगे।

दरअसल, पिछले कुछ समय से टेस्ट मैच में खराब फॉर्म से जूझ रहे विराट कोहली पर फैंस भड़के हुए हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ विराट का बल्ला खामोश रहा था। इसके बाद से उनकी आलोचना शुरू हो गई थी। ऐसे में पूर्व भारतीय हेड कोच रवि शास्त्री ने विराट कोहली का बचाव किया है। शास्त्री ने आईसीसी रिव्यू के नए एपिसोड में कोहली की ऑस्ट्रेलिया में लोकप्रियता और सफलता का जिक्र करते हुए कहा कि वह अपने फॉर्म में आ जाएंगे।

न्यूज डायरी

यशस्वी, विराट और पंत हुए इंट्रा स्क्वाड मैच में फ्लॉप

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय टीम की आगामी बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के लिए तैयारियां अच्छी नहीं चल रही है। टीम इंडिया ने 22 नवंबर से शुरू होने वाले पर्थ टेस्ट से पहले शुक्रवार को इंट्रा स्क्वाड मैच खेला, जिसमें दिग्गज बल्लेबाजों ने निराश किया। यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली और ऋषभ पंत जल्दी–जल्दी आउट होकर पवेलियन लौट गए। यशस्ध्वी जायसवाल और विराट कोहली 15–15 रन बनाकर आउट हुए जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत 19 रन बनाकर पवेलियन लौटे। वाका पिच पर भारतीय टीम के लिए यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने ओपनिंग की। राहुल जल्द ही चोटिल होकर मैदान से बाहर चले गए। राहुल को दाएं हाथ की कोहनी पर चोट लगी। राहुल बाउंसर को संभालने में नाकाम रहे और उनकी कोहनी में चोट लगी। फिजियो फिर राहुल को मैदान से बाहर ले गए। पता हो कि रोहित शर्मा की गैरमौजूदगी में केएल राहुल को यशस्वी जायसवाल के साथ ओपनिंग की जिम्मेदारी संभालना पड़ सकती है। मगर उनकी चोट ने भारतीय खेमे की चिंता बढ़ा दी है। ऐसे में अभिमन्यु ईस्वरन के लिए ओपनिंग के दरवाजे खुल सकते हैं। पता हो कि भारतीय टीम के लिए आगामी बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी बेहद अहम रहने वाली है।

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम का एलान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। न्यूजीलैंड ने शुक्रवार को इंग्लैंड के खिलाफ आगामी तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए 14 सदस्यीय स्क्वाड की घोषणा की। पहले टेस्ट में न्यूजीलैंड के 13 खिलाड़ियों में से टीम चुनी जाएगी क्योंकि मिचेल सैंटनर दूसरे और तीसरे टेस्ट के लिए टीम से जुड़ेंगे। कीवी टीम में केन विलियमसन की वापसी हुई है, जो ग्रोइन समस्या के कारण भारत के खिलाफ ऐतिहासिक सीरीज में हिस्सा नहीं ले पाए थे। न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के बीच 28 नवंबर से टेस्ट सीरीज का आगाज होगा। टॉम लैथम टीम के कप्तान बने रहेंगे। तेज गेंदबाज टिम साउथी ने घोषणा की है कि यह वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप उनकी आखिरी होगी। वैसे, न्यूजीलैंड को अगर डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचना है तो उसे इंग्लैंड का 3–0 से क्लीन स्वीप करना होगा, जो कि बिलकुल भी आसान नहीं हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि इंग्लैंड सीरीज उनके करियर की आखिरी टेस्ट सीरीज होगी। न्यूजीलैंड ने तेज गेंदबाजों बेन सियर्स (टखना) और काइल जेमिसन (पीठ) को टीम में जगह नहीं दी है। दोनों पेसर्स को ठीक होने के लिए समय दिया गया है। मार्क चौपमैन ने केन विलियमसन के लिए जगह बनाई है। भारत में ऐतिहासिक 3–0 से क्लीन स्वीप करने वाली टीम के सदस्यों एजाज पटेल और ईश सोढ़ी को भी जगह नहीं मिली है। मिचेल सैंटनर को दूसरे और तीसरे टेस्ट के लिए स्क्वाड में शामिल किया गया है क्योंकि वो साइड स्ट्रेन से ठीक होने में जुटे हुए हैं। इस समस्या के कारण सैंटनर भारत के खिलाफ तीसरे टेस्ट में हिस्सा नहीं ले पाए थे।

सरफराज खान ने शुभमन गिल को मजाक में थमाया बल्ला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय टीम इस वक्त ऑस्ट्रेलिया में है। यहां 22 नवंबर से शुरू होने वाले बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी की तैयारियों में जुटी है। प्रैक्टिस सेशन के दौरान सरफराज खान और शुभमन गिल की एक मजेदार तस्वीर वायरल हो रही है। इसमें वह घुटने पर बैठकर शुभमन गिल को बल्ला देते हुए नजर आ रहे हैं। फैंस को सरफराज का यह जेस्चर बहुत पसंद आया। बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के पहले मैच से पहले भारतीय टीम ट्रेनिंग सेशन में जमकर पसीना बहा रही है। इस ट्रेनिंग सेशन के दौरान भारतीय खिलाड़ियों ने जमकर मस्ती भी की। भारत के बल्लेबाज सरफराज खान ने पर्थ में साथी खिलाड़ी शुभमन गिल के साथ हंसी–मजाक किया। सरफराज के मजाकिया अंदाज ने फैंस का दिल जीत लिया है। उनकी चंचलता की फैंस तारीफ करते नहीं थक रहे। दरअसल, पर्थ में प्रैक्टिस सेशन के दौरान सरफराज खान ने खास अंदाज में शुभमन गिल को बल्ला भेंट किया। सरफराज ने घुटनों पर बैठकर शुभमन गिल को बल्ला भेंट किया। सरफराज के इस जेस्चर से फैंस को बाहुबली का एक सीन याद आ गया, जहां कटप्पा ने बाहुबली को तलवार थमाई थी।

हमारा दून

संक्षिप्त समाचार

केदारनाथ उप चुनाव से पूर्व परीक्षण रिपोर्ट सार्वजनिक करे सरकार

संवाददाता देहरादून। उत्तराखंड त्रिस्तरीय पंचायत संगठन ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को शुक्रवार को ज्ञापन भेजकर केदारनाथ उपचुनाव से पूर्व परीक्षण रिपोर्ट सार्वजनिक करने का अनुरोध किया है। कहा कि सरकार ने एक माह का आश्वासन दिया था, अब तीन माह का समय बीत गया है। उत्तराखंड त्रिस्तरीय पंचायत संगठन 12 जनपदों में त्रिस्तरीय पंचायतों का कार्यकाल प्रशासनिक समिति के माध्यम से दो वर्ष बढ़ाए जाने की मांग दो वर्ष से उठाई जा रही है। इस मांग पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एक कमेटी का गठन किया है। पिथौरागढ़ जनपद के जौलजीबी में मुख्यमंत्री से संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने इस मांग को लेकर घोषणा किए जाने का अनुरोध किया था।

ओएनजीसी चौक पर छह युवाओं मौत में चार दिन बाद केस दर्ज

संवाददाता देहरादून। ओएनजीसी चौक पर सोमवार देर रात हुए सड़क हादसे के मामले में चार दिन बाद मुकदमा दर्ज हुआ है। हादसे में घायल युवक के पिता की ओर से मामले में मुकदमा दर्ज कराया गया है। पुलिस को अब हादसे के असल कारण तक पहुंचना होगा। सातवां दोस्त सिद्धेश अग्रवाल गंभीर घायल है। जिसका निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि हादसे को लेकर शुक्रवार को सिद्धेश के पिता विपिन अग्रवाल ने तहरीर दी। जिसमें उन्होंने कहा मामले में मुकदमा दर्ज कर घटना की सही और निष्पक्ष जांच की जाए।

ऑटो ड्राइवर को मारने वाले ट्रक चालक पर केस

संवाददाता देहरादून। रिस्पना पुल के पास सोमवार रात ट्रक की टक्कर से मरे ऑटो चालक के शव का शुक्रवार को पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। वहीं ऑटो चालक के बेटे की तरफ से आरोपी ट्रक ड्राइवर के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। नेहरू कॉलोनी थानाध्यक्ष मोहन सिंह ने बताया कि शुक्रवार को सिद्धांत ने तहरीर दी। जिसमें ट्रक के तेज गति में होने और लापरवाही से चलाने का आरोप लगाया।

उपचुनाव के बीच भूमि का मुआवजा बांटने पर ऐतराज

संवाददाता देहरादून। केदारनाथ विस के लिए गतिमान उप चुनाव की प्रक्रिया के बीच सरकार की ओर से भूमि का मुआवजा बांटने को लेकर कांग्रेस ने ऐतराज जताया है। इस संबंध में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को पत्र लिखकर शिकायत दर्ज कराई है। लोनिवि की ओर से गुप्तकाशी के लोआरा गांव में टैन्ट लगाकर भूमि का मुआवजा वितरित किया जा रहा है।

सुनिश्चित करें कि शराब की दुकानें और बार निर्धारित समय तक ही खुलें

निर्देश

■ सड़क दुर्घटनाओं का बढ़ना चिंता का विषय: सीएम

■ रात्रिकालीन गश्त बढ़ाने और ओवरस्पीड में सख्ती से रोक लगाए

■ सीएम ने सड़क दुर्घटना सुरक्षा नियमावली बनाने के लिए विशेषज्ञों/अनुभवी लोगों की समिति गठित करने के निर्देश दिए

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री आवास में शासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए निर्देश दिये कि देहरादून से गौचर और चिन्यालीसौड़ के लिए फिक्स्ड विंग एयरक्राफ्ट चलाये जाएं। इसके शीघ्र संचालन के लिए निविदा और अन्य सभी औपचारिकताएं जल्द पूरी की जाए।

मुख्यमंत्री ने सड़क दुर्घटनाओं की प्रभावी रोकथाम के लिए सड़क दुर्घटना सुरक्षा नियमावली बनाने के लिए विशेषज्ञों/अनुभवी लोगों की समिति गठित करने के भी बैठक में निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं का बढ़ना चिंता का विषय है। इस पर प्रभावी रोकथाम के लिए सुरक्षात्मक उपायों पर विशेष ध्यान दिया जाए।

मुख्यमंत्री ने सख्त निर्देश दिये हैं कि शराब की दुकानें/बार आदि निर्धारित समय तक ही खुलें, इसकी सतत निगरानी की जाए। रात्रिकालीन गश्त के दौरान एल्कोमीटर के साथ जांच और ओवर स्पीड के खिलाफ कार्रवाई की जाए। जन सुरक्षा से जुड़े सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाए।

बैठक में प्रमुख सचिव आर.के. सुधांशु, सचिव शैलेश बगोली, गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पाण्डेय, अपर पुलिस महानिर्देशक ए.पी. अशुंमन और उपाध्यक्ष एमडीडीए बंशीधर तिवारी उपस्थित थे।

दून–गौचर और चिन्यालीसौड़ के लिए छोटा प्लेन चलाने के निर्देश

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बैठक के दौरान देहरादून से गौचर और चिन्यालीसौड़ के लिए फिक्स्ड विंग एयरक्राफ्ट (छोटा प्लेन) चलाए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि दोनों की स्थानों पर छोटे जहाजों का संचालन होने से आम लोगों से सहूलियत मिलेगी। उन्होंने इसके शीघ्र संचालन के लिए निविदा और अन्य सभी औपचारिकताएं जल्द पूरी करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

सीएम ने गुरुद्वारे में मत्था टेक कर प्रदेशवासियों की सुख–समृद्धि की कामना की

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को गुरु नानक जयंती के अवसर पर रेसकोर्स, देहरादून स्थित गुरुद्वारे में मत्था टेक कर प्रदेशवासियों की सुख–समृद्धि और खुशहाली के लिए प्रार्थना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरू गुरूनानक देव जी ने हमें सच्चाई, न्याय और मानवता की राह पर चलने की प्रेरणा दी है। उनके उपदेश हमें समाज में भाईचारा, सद्भाव और एकता को बढावा देने की भी प्रेरणा देते हैं। इस पावन अवसर पर हमें गुरुनानक देवजी के संदेशों को आत्मसात कर मानव कल्याण तथा देश–प्रदेश की उन्नति में भागीदारी निभाने का संकल्प लेना होगा। इस अवसर पर विधायक विनोद चमोली भी मौजूद थे।

सीएम ने पीएम जनमन योजना के लाभार्थियों को प्रदान किए प्रमाण पत्र

देहरादून। जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में जामुई, बिहार में मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री आवास स्थित मुख्य सेवक सदन से वर्चुअल प्रतिभाग किया।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के बाद पीएम जनमन योजना के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना, किसान सम्मान निधि और आयुष्मान कार्ड के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने उधमसिंह नगर के कुल्हा और कोटद्वार के लछमपुर में पीएम जनमन योजना के तहत दो हॉस्टल बिल्डिंग का शिलान्यास भी किया।

इस अवसर पर विधायक उमेश शर्मा काऊ, श्रीमती सविता कपूर, सचिव डॉ. नीरज खेरवाल, महानिदेशक शिक्षा सुश्री झरना कमठान, निदेशक जनजाति कल्याण श्री संजय सिंह टोलिया उपस्थित थे।

अंत्योदय को ध्यान में रखकर काम कर रहे केंद्र और राज्य: मुख्यमंत्री

उपलब्धि

■ पीएम स्वनिधि में उत्तराखंड ने हासिल किया शत–प्रतिशत लक्ष्य

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से केंद्र और राज्य सरकार, हमेशा अंत्योदय को ध्यान में रखते हुए नीतियां बनाती है। इसी तरह छोटे कारोबारियों की मदद लिए पीएम स्वनिधि योजना लाई गई है, जिसके बेहतर परिणाम सामने आए हैं। योजना के लिए आवंटित लक्ष्य के सापेक्ष अधिक लोगों का लाभ पहुंचाने के लिए शहरी विकास विभाग और संबंधित नगर निकायों के अधिकारी कार्मिक बधाई के पात्र हैं।

–पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री।

संवाददाता

देहरादून। सड़क किनारे रेहड़ी ठेली लगाकर आजीविका कमाने वाले हजारों छोटे कारोबारियों के लिए प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना, वरदान साबित हो रही है। इस योजना के तहत उत्तराखंड ने शत प्रतिशत लक्ष्य को प्राप्त करते हुए, 40 हजार से अधिक छोटे व्यापारियों को कारोबार के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की है।

प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना, मुख्य रूप से कोविड काल में प्रभावित छोटे कारोबारियों को फिर से स्वरोजगार में मदद के लिए प्रांरभ की गई थी। उत्तराखंड में शहरी विकास विभाग इस योजना के लिए नोडल एजेंसी की भूमिका निभाता है। योजना के तहत छोटे कारोबारियों को बिना किसी गारंटी के सुगम ऋण अवधि में कार्यशील पूंजी के रूप में प्रथम चरण में 10 हजार, दूसरे चरण में 20 हजार और तीसरे चरण में 50 हजार रुपए का ऋण उपलब्ध कराया जाता है। योजना के तहत पहली बार का ऋण तय समय में लौटाने पर ही लाभार्थी दूसरी बार के लिए ऋण ले सकते हैं, इसी तरह दूसरी बार का ऋण चुकाने पर स्ट्रीट वेंडर्स तीसरे चरण का ऋण लेने के लिए अर्ह होते हैं। योजना के तहत उत्तराखंड ने 27330 लाभार्थियों को प्रथम चरण में 10– 10 हजार, 10349 लाभार्थियों दूसरे चरण में 20–20 हजार और 2364 लाभार्थियों को तीसरे चरण के तहत 50– 50 हजार का ऋण उपलब्ध कराया है। इस तरह भारत सरकार की ओर से दिए गए 40005 लाभार्थियों के लक्ष्य के सापेक्ष उत्तराखंड ने 40043 को योजना से जोड़ते हुए, कुल 59.64 करोड़ रुपए का ऋण उपलब्ध कराया है।

लाभार्थी पूनम देवी पूनम बताती हैं कि उनके पास खुद नगर निगम के कर्मचारियों ने आकर योजना की जानकारी दी, साथ ही फॉर्म भराने से लेकर बैंक में खाता खोलने में मदद की, इसके बाद पूनम देवी योजना तहत प्रथम चरण में दस हजार और दूसरे चरण में 20 हजार रुपए का ऋण प्राप्त कर चुकी हैं।

विनोद चमोली ने मुख्यमंत्री धामी से शिष्टाचार भेंट की

संवाददाता देहरादून। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने जन प्रतिनिधियों को प्रदान किए जाने वाले प्रोटोकॉल के संबंध में एसओपी जारी करने के लिए मुख्य सचिव को निर्देश दिए। शुक्रवार को धर्मपुर से विधायक विनोद चमोली ने सीएम आवास में मुख्यमंत्री से शिष्टाचार भेंट की। चमोली ने अपने विधानसभा क्षेत्र में किए जा रहे विकास कार्यों पर मुख्यमंत्री का धन्यवाद किया। चमोली ने विभिन्न समसामयिक विषयों पर चर्चा करते हुए सरकारी कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों की गरिमा के अनुकूल आमंत्रित करने, उनके प्रतिभाग करने के साथ ही बैठने के क्रम की व्यवस्था सहित प्रोटोकॉल के संबंध में एसओपी जारी किए जाने के लिए मुख्यमंत्री से आग्रह किया। सीएम ने कहा कि जन प्रतिनिधियों को प्रदान किए जाने वाले प्रोटोकॉल के संबंध में एसओपी जारी करने के लिए मुख्य सचिव को निर्देशित कर दिया गया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिंटर्स,74/9,आराघर,देहरादून से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड,
पी.ओ–राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादक: प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालय:
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।

(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून ही मान्य होगा।